

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक - 07

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 16 अक्टूबर से 22 अक्टूबर 2022 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

विश्व मानक दिवस पर मुख्यमंत्री ने दिलाई गुणवत्ता शपथ, कहा — हर क्षेत्र में पारदर्शिता, उपभोक्ता अधिकार और नवाचार सर्वोपरि

गुणवत्ता और मानक ही आत्मनिर्भर भारत की पहचान – मुख्यमंत्री साय

विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में मानकों का पालन पारदर्शिता, गुणवत्ता और उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा वस्तुओं को मानक चिन्ह प्रदान कर उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा की जा रही है और इसके माध्यम से मिलावट व नकली वस्तुओं के कारोबार पर प्रभावी रोक लगी है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनों को गुणवत्ता शपथ दिलाते हुए मानकीकृत उत्पादों को बढ़ावा देने और बीआईएस के प्रयासों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मानकों की स्थापना में विशेष योगदान देने वाले मानक क्लबों, संस्थाओं और मेंटर्स का सम्मान किया।



उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था देशभर में गुणवत्ता की संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि एक समय था

जब सोने जैसी धातुओं की शुद्धता का पता लगाना कठिन था, लेकिन आज हर उपभोक्ता बीआईएस हॉलमार्क देखकर ही आभूषण खरीदता है। बीआईएस का हॉलमार्क अब उपभोक्ता भरोसे का प्रतीक बन चुका है।

उन्होंने बताया कि बीआईएस द्वारा बोटलबंद पानी, हेलमेट, खिलौने, गहनों से लेकर करीब 22 हजार वस्तुओं को मानक चिन्ह प्रदान किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के बीच मानक चिन्हों के प्रति

जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को बढ़ावा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मानकों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता और मानकीकरण के कारण आज देश के गांव और कस्बों में बने उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान बना रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने उपस्थित जनों से मानक चिन्हों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि विकसित भारत का संकल्प उपभोक्ता अधिकारों की मजबूती से ही पूरा होगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता ही आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक पहचान है।

कार्यक्रम में खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने कहा कि विश्व मानक दिवस का उद्देश्य उपभोक्ताओं और समाज में मानकीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह हमारे वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के प्रयासों की सराहना का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि देश तेजी से विकास कर रहा है और गुणवत्ता सुधार अब केवल नीति नहीं, बल्कि एक संकल्प बन चुका

है। श्री बघेल ने कहा कि जागो ग्राहक जागो का संदेश उपभोक्ताओं को सजग और जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे इस कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान को समाज में आगे बढ़ाएं, ताकि उपभोक्ता संरक्षण और अधिक सशक्त हो सकें।

भारतीय मानक ब्यूरो रायपुर शाखा कार्यालय के निदेशक श्री एस. के. गुप्ता ने कहा कि बीआईएस का प्रत्येक मानक उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा को समर्पित है। उन्होंने बताया कि उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और ब्यूरो इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

श्री गुप्ता ने ब्यूरो द्वारा संचालित गतिविधियों और विभिन्न उत्पादों के मानकीकरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीआईएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में निर्मित हर उत्पाद वैश्विक गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरे। विश्व मानक दिवस के अवसर पर आयोजित मानक महोत्सव में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) तथा अन्य संस्थानों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया।

50 लाख के इनामी सहित 27 माओवादियों का आत्मसमर्पण सरकार की पुनर्वास नीति की ऐतिहासिक सफलता

‘नियद नेला नार’ योजना और ‘आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025’ बनी बदलाव की आधारशिला

सुरक्षाबलों के साहस और शासन की संवेदनशील नीतियों से बदल रहा है

बस्तर का चेहरा – मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, संवेदनशील नीतियों और सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप नक्सलवाद पर निर्णायक प्रहार जारी है। सुकमा जिले में आज 50 लाख रुपए के इनामी सहित कुल 27 सक्रिय

माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह न केवल नक्सल हिंसा के अंत की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि यह बस्तर अंचल में विश्वास, सुरक्षा और विकास के नए युग की शुरुआत का प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पीएलजीए बटालियन नंबर-01 के हार्डकोर नक्सली सहित विभिन्न स्तरों पर सक्रिय रहे माओवादियों का आत्मसमर्पण राज्य शासन की नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025 और नियद नेला नार योजना की सफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। शासन की संवेदनशील पहल लगातार स्थापित हो रहे सुरक्षा शिविरों और वार्ताचलों में प्रशासन के प्रति बढ़ते जन-विश्वास से यह परिवर्तन



संभव हुआ है।

गढ़चिरौली में कुख्यात माओवादी पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू समेत 60 नक्सलियों का आत्मसमर्पण नक्सलवाद विचारधारा पर एक निर्णायक प्रहार है। हमारे शौर्यवान सुरक्षाबल

दिन-रात अदम्य साहस के साथ इस लड़ाई को अंजाम दे रहे हैं और सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

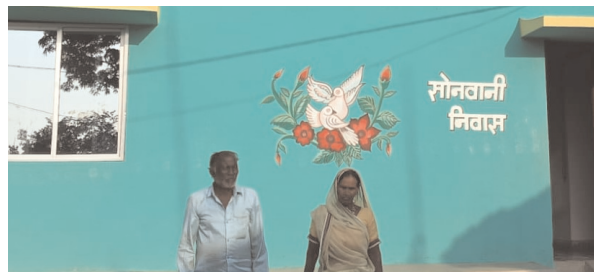
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार ने बंदूक छोड़ने वालों को सम्मानपूर्वक मुख्यधारा में लाने का रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि सरकार का

लक्ष्य केवल नक्सलवाद का अंत नहीं, बल्कि उन क्षेत्रों में स्थायी शांति और विकास की स्थापना करना है जहाँ कभी भय और हिंसा का साया था। आज वही इलाके संवाद, शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य और रोजगार की नई दिशा पकड़ रहे हैं। राज्य के पुलिस बल,

डीआरजी, सीआरपीएफ कोबरा, एसटीएफ तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी अदम्य वीरता, संयम और रणनीतिक कौशल से इस संघर्ष को निर्णायक मोड़ पर नेतृत्वा दिया है। मुख्यमंत्री ने सभी सुरक्षाबलों को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा कि उनके साहस, अनुशासन और समर्पण से ही बस्तर में विश्वास का माहौल स्थापित हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में भारत 'नक्सल मुक्त राष्ट्र' के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार इस राष्ट्रीय संकल्प में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अग्रसर है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) से लतेलू सोनवानी का सपना हुआ साकार इस दिवाली करेंगे नए पक्के घर का उद्घाटन



दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने दुर्ग जिले के ग्रामीण परिवारों के जीवन में नई उम्मीद और सम्मान का उजाला फैलाया है। इसी योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसाही के निवासी श्री लतेलू सोनवानी, पिता श्री सुकलाल की कहानी एक प्रेरणादायक सफलता की मिसाल बनी है। हितग्राही लतेलू सोनवानी, जो कबाड़ी का काम करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे, एक सम्मानजनक घर की आशा रखते थे। आज प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उनका यह सपना साकार हुआ है। पहले वे कच्चे मकान में रहते थे जो हर बरसात में टपकता था। परिवार की सुरक्षा और बच्चों की पढ़ाई के लिए वे निरंतर चिंतित रहते थे। लेकिन योजना के अंतर्गत उन्हें 1.20 लाख की अनुदान राशि और 23,790 रुपए मनरेगा मजदूरी राशि स्वीकृत हुई। कुल 1.43 लाख की सहायता से उन्होंने एक सुंदर और मजबूत पक्का मकान बनवाया। अब उनके घर में शौचालय, बिजली और पानी की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उनका परिवार सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है। लतेलू सोनवानी ने भावुक होकर कहा मेरे लिए यह आवास किसी वरदान से कम नहीं है।

परिवहन सेवा से बदली महिलाओं की दुनिया



फरसपाल की महिलाएं बनी स्वावलंबी की मिसाल

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (हक्रू) ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नया उजाला भर दिया है। इस मिशन के माध्यम से गांवों की साधारण गृहणियाँ अब आत्मनिर्भर बनकर समाज में नई पहचान बना रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है दंतेवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत फरसपाल की महिलाओं की है, जिन्होंने मेहनत, लगन और सरकारी योजनाओं की मदद से स्वावलंबन की मिसाल पेश की है।

स्व सहायता समूह स्थायी आमदनी का मिला साधन

ग्राम फरसपाल की गंगादेवी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मिलकर एक टाटा मैजिक वाहन खरीदा और आस-पास के गांव

आलनार, कुंदनार, दंतेवाड़ा और गोदम तक परिवहन सेवा शुरू की। इस सेवा से अब ग्रामीणों को आने-जाने में आसानी हो रही है, वहीं महिलाओं को भी स्थायी आमदनी का जरिया मिल गया है। दंतेवाड़ा जिला प्रशासन की ओर से इन महिलाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया गया। समूह ने वाहन संचालन के लिए एक ड्राइवर का चयन किया और मिल-जुलकर यह सेवा सफलतापूर्वक शुरू की। आज यह टाटा मैजिक रोजाना सैकड़ों ग्रामीणों की यात्रा का भारसेमंद साधन बन चुकी है।

महिलाएं अपने परिवार की आमदनी बढ़ा रही हैं

समूह की सदस्य श्रीमती यन्ति ठाकुर इस पूरी परिवहन सेवा का हिसाब-किताब और लेखा प्रबंधन देखती हैं। वे बताती हैं कि पहले सिर्फ एक गृहणी थी, जीवन सीमित

समूह की मासिक आय लगभग 26 हजार रुपए तक पहुँच गई है। महिलाओं ने इस कमाई से अपने घरों की आर्थिक स्थिति सुधारी है और बच्चों की शिक्षा, घर की जरूरतों तथा बचत तीनों में संतुलन बना लिया है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत शुरू हुई यह पहल दिखाती है कि जब महिलाओं को अवसर और सहयोग मिलता है, तो वे न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव की प्रगति में भागीदार बन जाती हैं।

फरसपाल की गंगादेवी स्व सहायता समूह की कहानी, ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और शासन की योजनाओं के सफल संगम की प्रेरक मिसाल है। अब फरसपाल की सड़कों पर चल रहे वाहन सिर्फ वाहन नहीं, बल्कि महिलाओं के सपनों की सवारी बन चुकी है।

पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को सरकार का दिवाली तोहफा

अलग-अलग मर्दों की सहायता राशि दोगुनी की गई

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाने वाली योजनाओं के तहत पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता में 100 फीसदी वृद्धि करने को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद आश्रितों को शिक्षा, विवाह और निर्धनता अनुदान के अंतर्गत मिलने वाली वित्तीय सहायता राशि दोगुनी हो गई है। संशोधित दरें आगामी एक नवम्बर से लागू होंगी।

निर्धनता अनुदान: बुधवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएँ पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू की जाती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी इस के तहत निर्धनता अनुदान की राशि 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन दी



जाएगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर-पेंशनभोगी हैं।

शिक्षा अनुदान: शिक्षा अनुदान की श्रेणी में दो आश्रित बच्चों (कक्षा 1 से स्नातक तक) या दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कर रही विधवाओं के लिए शिक्षा अनुदान एक हजार रुपये से बढ़ाकर दो हजार रुपये प्रति व्यक्ति प्रति माह कर दिया गया है। विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएँ लें।

विवाह अनुदान: सरकार की ओर से विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। इसे 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी कर दिया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह इस आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो।

छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में मिला राष्ट्रीय सम्मान, 'सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य' घोषित

स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों से राज्य में संदिग्ध दावों की संख्या में आई भारी गिरावट

रायपुर। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्यों और शून्य लंबितता सुनिश्चित करने की दिशा में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए छत्तीसगढ़ को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य घोषित किया गया है। यह सम्मान आज भोपाल में आयोजित एनएचए कॉन्क्लेव के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के ड्रश्व श्री सुनील कुमार बर्नवाल द्वारा राज्य नोडल एजेंसी (स्ड) की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला एवं प्रोजेक्ट डायरेक्टर (ऑपरेशन) श्री धर्मेन्द्र गहवाई को प्रदान किया गया। यह उल्लब्ध राज्य नोडल एजेंसी द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने के लिए की गई निरंतर पहल का परिणाम है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हाल ही में आयोजित हुई कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में पहली बार आयुष्मान भारत योजना को एक एजेंडे के



रूप में शामिल किया गया था। मुख्यमंत्री ने सभी कलेक्टर्स को जिलों में योजना की नियमित समीक्षा करने के भी निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य की प्रमुख पहल

राज्य नोडल एजेंसी द्वारा हाल के महीनों में कई सशक्त कदम उठाए गए, जिनमें संदिग्ध दावों की पहचान कर व्यापक फ़ील्ड ऑडिट का संचालन, क्लेम प्रोसेसिंग के टर्न-अराउंड टाइम में उल्लेखनीय कमी, सभी हितधारकों का उन्मुखीकरण एवं संवेदनशीलता प्रशिक्षण, स्टेट एंटी फ्रॉड यूनिट (स्स) टीम का सशक्त गठन और एम्पेनलड हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स के साथ नियमित संवाद एवं

समन्वय तंत्र की स्थापना शामिल है। जनवरी 2025 में हू। प्र. समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ में 'संदिग्ध दावों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक पाई गई थी। इस स्थिति में सुधार के लिए राज्य नोडल एजेंसी ने त्वरित कार्ययोजना तैयार कर अमल में लाई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जनवरी-फ़रवरी 2025 के बीच राज्यभर में 52 अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया गया। योजना के मानकों का पालन न करने पर 45 अस्पतालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की गई — जो अब तक की सर्वाधिक कार्रवाई रही।

एसपी ने साइबर जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया खाना

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस द्वारा पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार बेमेतरा जिले के समस्त थाना/चौकी क्षेत्रांतर्गत 10.10.2025 से दिनांक 10.11.2025 तक साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर साइबर जागरूकता अभियान चलाया जाना है जिसके तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय बेमेतरा से साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ तथा साइबर जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर खाना किया गया है। पूरे जिले में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत हमर पुलिस हमर गांव एवं हमर पुलिस हमर बजार अभियान के माध्यम से आमजनो को जागरूक किया जा रहा है। साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम के सफल आयोजन व क्रियान्वयन हेतु साइबर जन जागरूकता रथ के माध्यम से जिले के थाना/चौकी क्षेत्रांतर्गत स्कूल, कॉलेज एवं सामाजिक संगठन/विभाग/आवासीय कॉलोनी को चिन्ताकित किया गया है जहां आम जनता एवं स्कूली बच्चों के साथ संवाद स्थापित कर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा। इसी क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा



रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मती ज्योति सिंह, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी डीएसपी मती कौशिल्या साहू के मार्गदर्शन में 11 अक्टूबर 2025 को थाना प्रभारी चंदनू सर्जन द्वारिका प्रसाद देशलहरे, थाना बेरला से प्रधान आरक्षक नोहर यादव, जगदीश कोसिरिया, आरक्षक सुनील साहू, हुलेश साहू, महिला आरक्षक मालती साहू एवं साइबर सेल बेमेतरा से प्रधान आरक्षक लोकेश सिंह, आरक्षक पीलाराम साहू एवं अन्य स्टाफ के द्वारा साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम ग्राम भंसुली, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम

विद्यालय कुसमी एवं बस स्टैंड बेमेतरा में साइबर जन जागरूकता का आयोजन कर साइबर जन जागरूकता रथ के बैनर, पोस्टर एवं पाम्पलेट के माध्यम से साइबर फ्राड से बचने के लिए किया गया जागरूक। कार्यक्रम में थाना चंदनू, बेरला, साइबर सेल बेमेतरा स्टाफद्वारा स्कूली बच्चों एवं ग्रामीणों को बताया कि अपने फेसबुक/इन्स्टाग्राम का आईडी पासवर्ड किसी से शेयर ना करें साथ ही प्रोफाइल को लॉक रखें। अपने नेट बैंकिंग, फेसबुक, जी-मेल का पासवर्ड मजबूत रखें। बैंक/एटीएम/क्रेडिट/अधार कार्ड संबंधित अपनी निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्तियों से साझा ना करें। किसी भी प्रकार का ओटीपी शेयर ना करें। अनजान फोन द्वारा कोई घटना की जानकारी देकर पैसे की मांग करने पर तत्काल उस व्यक्ति/रिस्तेदारों से संपर्क कर वास्तविकता की जानकारी लें। किसी भी अनजान फोन काल पर विश्वास न करें। किसी भी अंजान व्यक्ति के वाट्सएप कॉल, वीडियो कॉल को अटेंड नहीं करना है, किसी भी प्रकार के ऑनलाईन हकिंग पर क्लीक नहीं करना है। साइबर फ्रॉड होने पर हेल्पलाईन नंबर 1930 में कॉल करें या National Cyber Crime Reporting Portal पर ऑनलाईन शिकायत दर्ज करें। फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यूट्यूब एवं गुगल सर्च इंजन के माध्यम से होने वाले विभिन्न प्रकार की सायबर अपराध के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही साइबर जन जागरूकता के संबंध में बैनर/पोस्टर एवं पाम्पलेट के माध्यम से जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान बस स्टैंड बेमेतरा में ग्रामीण अंचल से आए ग्रामीण जन, ग्राम भंसुली के ग्रामीण, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कुसमी के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापक गण उपस्थित रहे।

से साझा ना करें। किसी भी प्रकार का ओटीपी शेयर ना करें। अनजान फोन द्वारा कोई घटना की जानकारी देकर पैसे की मांग करने पर तत्काल उस व्यक्ति/रिस्तेदारों से संपर्क कर वास्तविकता की जानकारी लें। किसी भी अनजान फोन काल पर विश्वास न करें। किसी भी अंजान व्यक्ति के वाट्सएप कॉल, वीडियो कॉल को अटेंड नहीं करना है, किसी भी प्रकार के ऑनलाईन हकिंग पर क्लीक नहीं करना है। साइबर फ्रॉड होने पर हेल्पलाईन नंबर 1930 में कॉल करें या National Cyber Crime Reporting Portal पर ऑनलाईन शिकायत दर्ज करें। फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, ट्विटर, यूट्यूब एवं गुगल सर्च इंजन के माध्यम से होने वाले विभिन्न प्रकार की सायबर अपराध के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही साइबर जन जागरूकता के संबंध में बैनर/पोस्टर एवं पाम्पलेट के माध्यम से जागरूक किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान बस स्टैंड बेमेतरा में ग्रामीण अंचल से आए ग्रामीण जन, ग्राम भंसुली के ग्रामीण, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कुसमी के छात्र-छात्राओं एवं अध्यापक गण उपस्थित रहे।

बारनवापारा अभयारण्य में पाँच दिवसीय इको-टूरिज्म गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

स्थानीय युवाओं को वन्यजीव पर्यटन एवं पर्यावरण संरक्षण की दी गई गहन जानकारी



बलौदाबाजार। वनमंडलाधिकारी गणवीर धम्मशील के निर्देशानुसार बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य में 7 से 11 अक्टूबर 2025 तक पाँच दिवसीय इको-टूरिज्म गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में स्थानीय युवाओं एवं गाइड्स को वन्यजीव पर्यटन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण संरक्षण की गहन जानकारी प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का संचालन द नेचरलिस्ट स्कूल के प्रशिक्षक दल

प्रकृति सुब्रमण्यम, अनिकेतन चंद्रेगड़ा एवं चंद्रशेखर द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया गया जिसमें स्थानीय पक्षियों, कीटों, सरीसृपों, स्तनधारियों एवं पादप प्रजातियों की पहचान, उनके पारिस्थितिक महत्व, व्यवहारिक संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास तथा गाईडिंग तकनीकों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। पांचवें दिवस पर अभयारण्य क्षेत्र में

फील्ड भ्रमण एवं पादप प्रजातियों की पहचान पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को इको-टूरिज्म गाइड प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य रूप से अधीक्षक बारनवापारा अभयारण्य कृष्ण चन्द्राकार, परिक्षेत्र अधिकारी गोपाल प्रसाद वर्मा, प्रशिक्षु विकास तथा गाईडिंग तकनीकों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए। पांचवें दिवस पर अभयारण्य क्षेत्र में

रासेयो स्वयं सेवकों ने मनाया अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस

भंवरपुर। फुलझर सेवा समिति सरायपाली द्वारा संचालित कृषक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाटसेंद्री के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर प्राचार्य साखीराम पटेल के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी सोमेश्वर प्रसाद पटेल, सहायक जन्मजय पटेल, गुण सागर पटेल के नेतृत्व एवं दिशा निर्देशन में भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता के सहभागी स्वयंसेवकों ने लड़कियों का नेतृत्व और उनकी स्वतंत्र पहचान, बालिका शिक्षा पर अपना विचार में कहा कि लड़कियाँ केवल भविष्य की आशा ही नहीं बल्कि बदलाव लाने की असली शक्ति भी है हर लड़की में समाज और समुदाय को दिशा देने की क्षमता मौजूद है बस इन्हें सशक्त बनाकर अवसर देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम



अधिकारी इस दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते बताया कि इस दिन की स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 19 दिसंबर 2011 को की थी पहली बार इसे 2012 में मनाया गया तब से यह हर साल 11 अक्टूबर को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन विशेष रूप से लड़कियों के अधिकार, शिक्षा, समान अवसर एवं शक्तिकरण करने को समर्पित है माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय दिव्यांग पद्मश्री अरुणिमा सिन्हा का उदाहरण देकर स्वयंसेवकों को प्रेरित किया कि कोई भी

अगर मन में कुछ कर दिखाने के लिए जित दान ले तो असंभव कुछ भी नहीं है। बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके प्रतिभागी छात्र दिव्या भोई, नैलिनी साहू, खुशी साहू, गरिमा दास, ओमिका साव, आरती साव, डालिम साहू, बेबी प्रधान, निक्की साहू मौनिका विशाल के निबंध सराहनी रहे। विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाकर कमरों के सामानों को व्यवस्थित कर पोतई करने का कार्य विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारियों के दिशा निर्देशन में स्वयंसेवकों द्वारा किया।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में बालिकाओं को मिली निःशुल्क सायकल

भंवरपुर। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित बालिकाओं के शैक्षिक विकास के उद्देश्य से संचालित महत्वाकांक्षी योजना «सरस्वती सायकल योजना» के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, भंवरपुर में आज एक भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं को शासन की योजना के अनुरूप निःशुल्क सायकल का वितरण किया गया, जिससे भंवरपुर अंचल की बालिकाओं को उत्कृष्ट शिक्षा के लिए उत्कृष्ट विद्यालय तक पहुँचने में सुविधा होगी तथा वे शिक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होंगी। बालिका शिक्षा व सशक्तीकरण के उद्देश्य से आयोजित इस समारोह का मार्गदर्शन प्राचार्य टिकेश्वर पटेल ने किया। गौरतलब है कि इस योजना का उद्देश्य शासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा-नवमी में अध्ययनरत अनुसूचित जाति,



अनुसूचित जनजाति एवं बी.पी.एल. वर्ग की छात्राओं को शाला तक आवागमन (यातायात) सुविधा देना, ताकि उन्हें उत्कृष्ट विद्यालय आने-जाने में असुविधा न हो, बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करना, छात्रा ड्रॉप-आउट दर को कम करना, दूरदराज इलाकों की छात्राओं को शिक्षा से जोड़ना और समान अवसर सुनिश्चित करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती देवकी पुरुषोत्तम दीवान जिला

पंचायत सभापति, विशिष्ट अतिथि के रूप में कृष्ण कुमार पटेल जनपद सदस्य एवं अध्यक्ष, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति सेजेस भंवरपुर तथा कृष्ण कुमार सिदार सदस्य, ग्राम पंचायत भंवरपुर, शाला प्रबंधन एवं विकास समिति के सक्रिय सदस्य व शिक्षाविद गुलाब स्वर्णकार, पालक समिति के समस्त सदस्यगण व जनप्रतिनिधिगणों की उपस्थिति व सहभागिता रही। अपने उद्बोधन में मुख्य

अतिथि श्रीमती दीवान ने कहा कि सरस्वती सायकल योजना बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में राज्य शासन का सराहनीय कदम है। उन्होंने बालिकाओं से आग्रह किया कि वे इन सुविधाओं का सदुपयोग कर अपने जीवन में सफलता के उच्च शिखर तक पहुँचें और समाज में समानता एवं सशक्तीकरण का संदेश दें। इस दौरान कृष्ण कुमार पटेल ने भी संबोधित किया। प्राचार्य टिकेश्वर पटेल ने कहा कि

उत्कृष्ट विद्यालय परिवार राज्य शासन की नीतियों के अनुरूप शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। उन्होंने छात्राओं से अनुशासन, परिश्रम एवं निष्ठा के साथ अध्ययन कर विद्यालय व ग्राम का नाम गौरवान्वित करने का आह्वान किया। इस दौरान वरिष्ठ व्याख्याता प्रेम कुमार निर्मलकर, नन्दकुमार दीवान, प्रदीप कुमार बारीक, दुर्गा प्रसाद पटेल व सरोज कुमार भोई का सराहनीय योगदान रहा। संचालन हौराम चौहान तथा आभार प्रदर्शन शाला प्रबन्धन समिति के सदस्य शिक्षक दुर्गा प्रसाद पटेल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शिक्षक गण शौकीलाल चौहान, अनिरुद्ध भोई, दिनेशचंद्र सतपथी, ए.व्ही कदम, दिनेश दास, दिनेश कुमार बंधु, राधा देवांगन, अपने जीवन में सफलता के उच्च शिखर तक पहुँचें और समाज में समानता एवं सशक्तीकरण का संदेश दें। इस दौरान कृष्ण कुमार पटेल ने भी संबोधित किया। प्राचार्य टिकेश्वर पटेल ने कहा कि

परिक्षेत्र साहू संघ चुनाव संपन्न, उमेश अध्यक्ष निर्वाचित 34 गांवों के 130 समाजजनों ने किया मतदान



भंवरपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ 33/61 से संबद्ध परिक्षेत्र बंसुला साहू संघ का निर्वाचन जन्मजय साव संरक्षक सहसील साहू संघ बसना के अगुवाई में ग्राम पंचायत भवन पथरला में शान्ति पूर्ण संपन्न हुआ। प्राप्त जानकारी अनुसार बंसुला परिक्षेत्र के 34 गांव के कुल 130 साहू महिला पुरुष मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया। मत पत्रों की गिनती पश्चात उमेश साव अध्यक्ष, मोहन साव उपाध्यक्ष, बहन मोरग वेदकुमार साव महिला उपाध्यक्ष बहन मोहिनी रूपानंद साव परिक्षेत्र संगठन सचिव, योगेश्वर साव परिक्षेत्र संगठन सचिव निर्वाचित हुए। उम्मीदवारों के मत पत्रों की गिनती के घोषणा होने के

शाम तक रके हुए डटे हुए थे अपने चहेते प्रत्याशीयो की जीत पर झूम उठे सभी जीते समाज सेवकों ने बोहरापर स्थित भक्तिन माता कर्मा देवी के मंदिर में माथा टेक कर समाज के लोगों की खुशहाली की कामना की। संरक्षक जन्मजय साव ने कहा परिक्षेत्र साहू संघ बंसुला के निर्वाचित समस्त पदाधिकारियों द्वारा युवक-युवती परिचय सम्मेलन, सामूहिक विवाह सम्मेलन और माता कर्मा जयंती जैसे विभिन्न प्रकार के सामाजिक सम्मेलन आयोजित कर समाज को जागृणी जिनका उद्देश्य समाज की एकता, विवाह जैसे सामाजिक कार्यों और समाज सुधार पर भागीदारी रहेगी।

अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली पदार्थों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, जुआ खेलते 14 जुआडियानो से नगदी रकम 4,870 रुपए जप्त

बेमेतरा। बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली पदार्थों, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फ़ार वारंटियों एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत 11 अक्टूबर 2025 को थाना नवागढ़ पुलिस को जरिरे मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम झाल में आम जगह पर कुछ लोग ताश पत्ती से रूपये पैसे का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं कि सूचना पर थाना नवागढ़ पुलिस टीम पहुंच कर सूचना के अधार पर देहल आत्मनिर्भरता कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर जुआडियान पकड़े गए। जिसमें थाना नवागढ़ में 01 प्रकरण दर्ज कर 14 जुआडियानो 01. दिलीप साहू उम्र 30 वर्ष, 2. दिनेश विश्वकर्मा उम्र 34 वर्ष, 3. राजू साहू उम्र 25 वर्ष, 4. संजय साहू उम्र 27 वर्ष, 5.



बिंदाराम साहू उम्र 52 वर्ष, 6. रज्जू साहू उम्र 35 वर्ष, 7. संतोष चौहान उम्र 32 वर्ष, 8. विश्वराज बघेल उम्र 26 वर्ष, 9. येहूम साहू उम्र 64 वर्ष, 10. फागुराम साहू उम्र 45 वर्ष, 11. तुलसी राम साहू उम्र 49 वर्ष, 12. जितेन्द्र दास घृतलहरे उम्र 52 वर्ष, 13. जिलेचन साहू उम्र 32 वर्ष, 14. जितेन्द्र साहू उम्र 30 वर्ष सभी निवासी ग्राम झाल थाना नवागढ़ जिला बेमेतरा के विरुद्ध धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 के

तहत कार्यवाही की गई है। जुआडियों के पास एवं पट्ट से कुल जुमला नगदी 4,870/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त कर कार्यवाही किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी नवागढ़ उप निरीक्षक अलीत चंद, प्रधान आरक्षक अशोक तिकी, आरक्षक राजेन्द्र साहू, राहुल दुबे, रविकांत चंद्रवंशी, ओंकार निर्मलकर, विजय घृतलहरे, राजआदिल सहित थाना नवागढ़ के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

मनेन्द्रगढ़। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एस एस सिंह के निर्देशानुसार तथा जिला परियोजना समन्वयक दीपक चौधरी के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत चनवारीडांड अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र चनवारीडांड में विशेष पहल के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनाए गए। ग्राम के ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक लाल बहादुर यादव ने नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में रहने वाले हितग्राहियों को स्वयं के वाहन की सहायता से निस्वलि अस्पताल मनेन्द्रगढ़ पहुँचाया। जहाँ सभी पात्र नागरिकों के आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनवाए गए। इस दौरान लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से मिलने वाले चिकित्सा लाभों जैसे निशुल्क इलाज, सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भर्ती की सुविधा, दवा एवं जांच की निशुल्क व्यवस्था आदि की जानकारी



दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश शासन द्वारा चलाई जा रही वय वंदन योजना का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले वरिष्ठ नागरिकों को सुलभ एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। हमारे जिले में यह अभियान पूरी तत्परता से चलाया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस योजना से वंचित ना रहे। डॉ. खरे ने आगे बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा हर ब्लॉक और ग्राम स्तर पर विशेष

शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि जिले के सभी 5 वर्ष से अधिक एवं 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को शीघ्र ही वय वंदन आयुष्मान कार्ड का लाभ मिल सके। साथ ही जन समुदाय से स्वयं आगे आकर योजना का लाभ उठाने व आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील की फाई कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी उपस्थित रहकर कार्ड वितरण प्रक्रिया में सहयोग किया तथा हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी दी।

यादव समाज द्वारा केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव का किया भव्य स्वागत



सरायपाली। छत्तीसगढ़ शासन के स्कूली शिक्षा ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव मंत्री बनने के बाद प्रथम नगर आगमन सरायपाली में हुआ। इनके आगमन पर यादव समाज के पदाधिकारियों द्वारा पुराना चेक पोस्ट झिलमिला चौक में भव्य स्वागत किया गया। उसके बाद गजेन्द्र यादव को केजुआ रोड स्थित नवीन विमान गृह सरायपाली में इनका काफिला पहुँचा। विश्राम गृह में यादव समाज के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी नरेन्द्र कुमार यादव, जिला कार्यकारी अध्यक्ष पवन कुमार यादव, जय यादव, राजेंद्र कुमार यादव राजू, योगेश यादव, तुषार यादव, मयंक यादव, संजय यादव, रिंकू यादव आदि ने मिलकर सामाजिक बिंदुओं पर चर्चा की। भारी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र में हुआ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पीएम धन-धान्य कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन कार्यक्रम का शुभारंभ

गरियाबंद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीएम धन - धान्य कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन कार्यक्रम के शुभारंभ का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र गरियाबंद के द्वारा शनिवार 11 अक्टूबर को किया गया। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र गरियाबंद के द्वारा कृषक संगोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मती लालिमा ठाकुर, ग्राम पंचायत सट्ठेली की सरपंच मती लक्ष्मी ठाकुर उपस्थित थे। जिसमें केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ मनीष चौरसिया, वैज्ञानिक मनीष कुमार आर्य, प्रवीण कुमार जाैर एवं ग्राम पंचायत सट्ठेली के पंच मती मोहिनी धुव, मती देव कुमारी सोम, मती टेथरी कृसानु, ग्राम पटेल लीलाराम ठाकुर अन्य जनप्रतिनिधि व महिला समूह के सदस्यगण, कृषक उपायक समूह के सदस्यगण व जिले के प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे। कृषि



विज्ञान केन्द्र में कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के समक्ष पूजा अर्चना कर किया गया। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर पूसा नई दिल्ली में आयोजित पीएम धन्य धान कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री के द्वारा किया गया। इस पूरे कार्यक्रम का विधिवत रूप से सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र गरियाबंद में जनप्रतिनिधियों एवं प्रगतिशील कृषकों के समक्ष वेबकास्टिंग

के माध्यम से किया गया एवं सभी जनप्रतिनिधि गण एवं कृषकों को माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय केंद्रीय कृषि मंत्री के उद्बोधन को सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मती लालिमा ठाकुर द्वारा कृषकों को संबोधित करते हुए उन्हें पीएम धन्य धान कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भर कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी व कृषकों को दलहन तिलहन उत्पादन एवं उसमें आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रोत्साहित किया गया साथ ही कृषकों से आवाहन किया गया कि खेती से संबंधित समस्याओं के लिए कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों से आवश्यक चर्चा एवं मार्गदर्शन प्राप्त करें और खेती में दलहन के अलावा दलहन व तिलहन फसल को सम्मिलित करते हुए वैज्ञानिक

पद्धति को अपनाए। इस अवसर पर केंद्र के संस्था प्रमुख डॉ मनीष चौरसिया के द्वारा पीएम धन - धान्य कृषि योजना एवं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन कार्यक्रम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए विस्तृत रूप से कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी। केंद्र के वैज्ञानिक मनीष कुमार आर्य के द्वारा विस्तृत रूप से रबी वर्ष हेतु दलहन एवं तिलहन की मुख्य फसलें जैसे सरसों, मूँगफली, चना, उड़द फसलों की बुवाई से लेकर कटाई तक की पूरी जानकारी दी गयी साथ ही प्राकृतिक खेती के विभिन्न अवयव बीज अमृत घनजीव अमृत जोवामृत बह्मास्र अमिअस्र कि निर्मास्र आदि के बारे में भी बताया गया और बीज उत्पादन कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए कृषकों से दलहन व तिलहन बीज उत्पादन कार्यक्रम करने की सलाह दी गयी। केंद्र के वैज्ञानिक प्रवीन कुमार जामरे की गयी।

कृषि यंत्र एवं मशीनों के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। केंद्र द्वारा आयोजित कृषक संगोष्ठी सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कृषकों के द्वारा अपने अनुभव को अन्य कृषकों के समक्ष साझा किया गया और वैज्ञानिकों से फसलों से लगने वाले कीट एवं रोग के नियंत्रण हेतु परिचर्चा किया गया एवं इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र गरियाबंद के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गयी तकनीकी बुलेटिन का वितरण कृषकों को किया गया। अंत में कृषकों को प्रक्षेत्र में स्थापित फसल उत्पादन इकाई, उद्यान इकाई, पशुपालन इकाई साझा किया गयी इकाई, जैविक इकाई का भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम का संचालन केंद्र के वैज्ञानिक प्रवीन कुमार जामरे के द्वारा एवं अतिथियों का उद्घाटन व धन्यवाद ज्ञापन वैज्ञानिक मनीष कुमार आर्य के द्वारा किया गया।

गतका हमारी गौरवशाली विरासत का प्रतीक है, युवाओं को इससे जोड़ना गर्व की बात : सांसद विजय बघेल

भिलाई नगर। सिख इतिहास की अमर जंगजू परंपरा और भारतीय संस्कृति की बीरता को साकार करती 13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप का शुभारंभ शुक्रवार को गुरु नानक इंग्लिश सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भिलाई में हुआ।यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा न्यू गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग सांसद विजय बघेल ने किया। उनके साथ मंच पर पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे, अध्यक्ष हरजीत सिंह ग्रेवाल, छत्तीसगढ़ सिख पंचायत अध्यक्ष जसबीर सिंह चवहल, न्यू गतका एसोसिएशन अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोट्टू, महासचिव जसवंत सिंह खालसा और वित्त सचिव मलकीत सिंह लछू सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। अपने संबोधन में सांसद बघेल ने कहा-गतका केवल युद्ध कला नहीं, बल्कि यह हमारे गौरवशाली अतीत और सिख परंपरा की अजेय भावना का प्रतीक है। ऐसी स्वदेशी कलाओं को बढ़ावा देने से न केवल संस्कृति का संरक्षण होता है बल्कि युवाओं में साहस, अनुशासन और भक्ति के



गुण भी विकसित होते हैं। विशिष्ट अतिथि प्रेम प्रकाश पांडे ने कहा कि इस प्रतियोगिता की मेजबानी छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा-गतका जैसी प्राचीन कला पिछेनेस, अनुशासन और एकता का संदेश देती है। यह न सिर्फ खेल है बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक सद्भाव की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गतका को पहूँचाने की तैयारी-एनजीएआई एवं वर्ल्ड गतका फेडरेशन के अध्यक्ष हरजीत सिंह ग्रेवाल ने बताया कि उनका उद्देश्य गतका को एक पारंपरिक कला के साथ-साथ आधुनिक खेल के रूप में पहचान दिलाना है।

उन्होंने कहा-हम चाहते हैं कि निकट भविष्य में गतका को ओलंपिक जैसे वैश्विक खेल आयोजनों में भी शामिल किया जाए। भारत के खिलाड़ी इस मंच से अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी करेंगे।12 राज्यों से आए 500 खिलाड़ी, विजेताओं को मिलेगा विशेष सम्मान-आयोजन समिति के प्रमुख इंद्रजीत सिंह छोट्टू और जसवंत सिंह खालसा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर के 12 राज्यों से 500 से अधिक खिलाड़ी (लड़कें) सिंह ग्रेवाल ने बताया कि उनका उद्देश्य गतका को एक पारंपरिक कला के साथ-साथ आधुनिक खेल के रूप में पहचान दिलाना है।

छोट्टू ने घोषणा की-छत्तीसगढ़ के स्वर्ण पदक विजेताओं को खेल सुविधाएँ और नकद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। सिख समाज और संस्थाओं का व्यापक सहयोग-इस आयोजन को सफल बनाने में कई गुरुद्वारों और सिख संस्थाओं का पूरा सहयोग रहा। इनमें प्रमुख हैं -गुरुद्वारा बेचे जानकी जी (जोन-2, खुर्सीपार), गुरुद्वारा गुरु हरगोबिंद साहिब जी (कैप-2), गुरुद्वारा गुरु अर्जुन देव जी (हारडिंग बोर्ड), गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर जी (कैप), गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह जी (सुपेला) और अन्य प्रमुख गुरुद्वारे।



जुड़ने और मातृत्व के प्रति सम्मान का संदेश देते हैं।

गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति- इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर, पार्षद खुबीराज सोनकर, पूर्व पार्षद खिलेश्वर चक्रधारी, विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। सभी ने पार्षद सोनकर की इस प्रेरणादायी पहल की प्रशंसा की और समाज में ऐसे कार्यों को बढ़ावा देने का आह्वान

किया। **मानवता और पर्यावरण का संगम-** पार्षद राजू सोनकर ने अपने जन्मदिन को सेवा और संकल्प के रूप में मनाकर एक अनुरूपणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी यह पहल न केवल छात्रा के जीवन में सहायक होगी, बल्कि समाज को भी यह संदेश देगी कि जन्मदिन केवल उत्सव नहीं बल्कि योगदान का भी अवसर हो सकता है।

आगेसरा माँडल अब पूरे छीसगढ़ में लागू होगा, दक्षिण पाटन के युवा सरपंच रमाकांत साहू की सोच को छीसगढ़ सरकार ने दिया राज्यस्तरीय रूप

दुर्ग/पाटन। शिक्षा के क्षेत्र में ग्राम पंचायत स्तर पर शुरू की गई एक पहल अब पूरे छत्तीसगढ़ के लिए मिसाल बनने जा रही है। दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक के ग्राम पंचायत आगेसरा के युवा सरपंच रमाकांत साहू द्वारा प्रारंभ की गई समर्पण निशुल्क कोचिंग सेंटर की तर्ज पर अब छत्तीसगढ़ सरकार पूरे राज्य में निशुल्क कोचिंग सेंटर प्रारंभ करने की तैयारी में है। **गांव की सोच अब बनेगी राज्य की नीति-**ग्राम पंचायत आगेसरा के इस अभिनव प्रयास ने शिक्षा विभाग का ध्यान अपनी ओर खींचा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस मॉडल को पूरे राज्य में लागू करने के लिए नीति निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों से कक्षा 9वीं से 12वीं

तक के विद्यार्थियों और प, ि त यो गी परीक्षाओं की तैयारी हेतु ऑनलाइन कोचिंग की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। **गांव के युवाओं के लिए शुरू हुआ था प्रयास-**युवा सरपंच रमाकांत साहू ने गांव के बच्चों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से समर्पण निशुल्क कोचिंग सेंटर की स्थापना की थी। इस कोचिंग सेंटर में अनुभवी शिक्षकों द्वारा निशुल्क शिक्षा दी जा रही है, जिससे दर्जनों विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। **आगेसरा पंचायत बना छत्तीसगढ़**

का पहला उदाहरण-समर्पण निशुल्क कोचिंग क्लास को छत्तीसगढ़ की पहली ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित निशुल्क कोचिंग पहल माना गया है। इस प्रयास ने यह साबित किया कि यदि इच्छाशक्ति और सामूहिक सहयोग हो तो ग्रामीण क्षेत्र से भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। **गर्व और प्रेरणा का विषय-**स्कूल शिक्षा विभाग की इस पहल से ग्राम पंचायत आगेसरा और स्थानीय ग्रामीणों में हर्ष की लहर है। युवा सरपंच रमाकांत साहू ने कहा- हमारा उद्देश्य सिर्फ गांव नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के युवाओं तक शिक्षा की रोशनी पहुँचाना है। सरकार द्वारा इस मॉडल को राज्यभर में अपनाया जाना हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

ईलाज के दौरान महिला की मौत, जांच टीम गठित

राजनांदगांव। जिला मुख्यालय स्थित शुक्ला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान ग्राम रिवागहन (जिला बालोद) निवासी दौपदी साहू की मृत्यु के बाद मचे बवाल के बीच अस्पताल का गायनिक ऑपरेशन थियेटर आगामी आदेश तक सील कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार



डा. नेतराम नवरतन और टीम ने मौके पर पहुंचकर परिजनों से चर्चा की एवं प्रारंभिक जांच की। उसी दिन विशेषज्ञों की पांच सदस्यीय जांच समिति गठित कर सात दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जिला स्तरीय जांच दल ने 10 अक्टूबर को अस्पताल पहुंचकर गायनिक ऑपरेशन थियेटर का निरीक्षण किया और क्लचर जांच हेतु सैपल लेकर एआईआईएमएस रायपुर भेजा। सैपल लेने

के बाद ओटी को सील कर दिया गया है। दल ने ऑपरेशन में शामिल तीनों चिकित्सकों और दो ओटी स्टाफ के बयान दर्ज किए हैं। उपचार से संबंधित सभी दस्तावेजों की प्रतियां भी जमा की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि प्राप्त शिकायत की जांच जारी है, और रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

औंधी में बनेगा सर्वसुविधा युक्त मंगल भवन, दुर्ग सांसद विजय बघेल ने किया भूमि पूजन, ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी



पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत औंधी में आज सर्वसुविधा युक्त मंगल भवन के निर्माण के लिए भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह भवन लगभग 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा।

ग्रामीणों की यह वर्षों पुरानी मांग थी, जो अब पूरी होने जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल ने शिलान्यास कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। सांसद बघेल ने कहा कि ग्राम औंधी

सहित पूरे क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है, और इस मंगल भवन से ग्रामवासियों को विवाह, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सहित ग्राम पंचायत औंधी के सरपंच व पंचांगन उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने जताया आभार-ग्रामवासियों ने सांसद विजय बघेल और जनप्रतिनिधियों का आधार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भवन ग्राम के सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सभी वर्गों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

पत्रकार के परिवार से किया वादा निभाया : समाजसेवी इंद्रजीत सिंह ने बच्चों की स्कूल फीस भरी

भिलाई। सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना का उदाहरण पेश करते हुए हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं समाजसेवी इंद्रजीत सिंह ने दिवंगत पत्रकार संतोष यादव के दोनों बच्चों की स्कूल फीस अदा कर अपने वायदे को पूरा किया। **शोकसभा में किया था वादा-**गौरतलब है कि बीते 5 अक्टूबर को दिवंगत पत्रकार संतोष यादव के अंतिम संस्कार के बाद आयोजित शोकसभा में इंद्रजीत सिंह ने बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा था कि दोनों बच्चों की स्कूल फीस यथु सिख सेवा समिति के माध्यम से जमा कराई जाएगी। **वायदे को निभाने में नहीं की देर-**अपने वचन के अनुरूप, इंद्रजीत सिंह ने बिना किसी देरी के कार्रवाई की। उन्होंने यथु सिख सेवा समिति के माध्यम से पत्रकार संतोष यादव की पुत्री अर्पिता यादव और पुत्र आदित्य यादव की कुल 40,600 की स्कूल फीस ज्योति विद्यालय, चरोदा में जमा कराई। **पत्रकार संतोष यादव का निधन-**बताया गया कि 3 अक्टूबर को भिलाई-3 के बजरंग पारा निवासी वरिष्ठ पत्रकार संतोष यादव का हृदयाघात से निधन हो गया था।



वे 51 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी सुशीला यादव और दो बच्चे अर्पिता व आदित्य हैं। परिवार की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी। **यथु सिख सेवा समिति ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी-**अचानक हुए इस दुःखद निधन के बाद परिवार पर आर्थिक संकट के हालात बन गए थे। इसी को देखते हुए समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोट्टू) और महासचिव मलकीत सिंह (लछू) ने बच्चों की पढ़ाई में मदद का आश्वासन दिया था। फिर समिति की ओर से सितंबर से मार्च माह तक की फीस – प्रत्येक बच्चे के लिए 20,300-20,300 के दो अलग-अलग चेक विद्यालय प्रबंधन को सौंपे गए।विद्यालय को सौंपे गए चेक-दोनों बच्चों की सात महीने की बकाया फीस का भुगतान यथु सिख सेवा समिति द्वारा सीधे ज्योति विद्यालय, चरोदा के नाम से किया गया।

महापौर मधुसूदन यादव ने कहा -शहर के हर वार्ड में होगा संतुलित विकास

तीन वार्डों में 77.5 लाख रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन

राजनांदगांव। विधायक डा. रमन सिंह और सांसद संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर नगरीय प्रशासन व विकास विभाग द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों के अंतर्गत शहर के विभिन्न वार्डों में अधोसंरचना निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ है। इसी क्रम में महापौर मधुसूदन यादव को वार्ड नं. 4, 27 और 37 में लगभग 77.50 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। वार्ड नं. 4 में 30 लाख रुपये से डब्ल्यू.एम.एम. रोड निर्माण, 5 लाख से सीमेंट रोड, प्रभारी मंत्री निधि से 2.50 लाख से मंच निर्माण और 10 लाख से भवन निर्माण किया जाएगा। वार्ड



नं. 27 में 7 लाख से आम्बेडकर भवन जीर्णोद्धार, कोतवाली के पास 3-3 लाख से रोड व

बाउंड्रीवाल निर्माण के साथ 15 लाख से सीमेंट रोड व नाली निर्माण किया जाएगा। वार्ड नं. 37

में रामदेव बाबा मंदिर के पास गली का सीमेंटीकरण 5 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। महापौर

यादव ने कहा कि वार्ड वार विकास प्रस्ताव पार्षदों से ले लिए गए हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। विधायक, सांसद और शासन के सहयोग से हर वार्ड का संतुलित विकास हमारा लक्ष्य है। कार्यक्रम में बीस सूत्रीय समिति के पूर्व उपाध्यक्ष खूबचंद पारख, निगम अध्यक्ष रामचरण वर्मा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष किशुन यदु, वार्ड पार्षद राजेश जैन रातू, जैनम बेद, संदीप बघेल सहित महिला मंडल एवं वार्डवासी उपस्थित थे। इस अवसर पर पारख ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में प्रदेश में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं।

जिले के 13 केंद्रों में व्यापम की वार्ड ब्वाय व आया भर्ती परीक्षा

हल्के रंग के आधी बांह के कपड़े पहनना अनिवार्य, चप्पल में आए-कान के आभूषण प्रतिबंधित

राजनांदगांव। व्यापम द्वारा वार्ड ब्वाय एवं वार्ड आया भर्ती परीक्षा का आयोजन 12 अक्टूबर को आयोजित होगा। यह परीक्षा प्रातः 11 बजे से 1.15 बजे तक जिले के 13 परीक्षा केंद्रों में संपन्न होगी। परीक्षा के नोडल अधिकारी अनिकेत साहू एवं समन्वयक शासकीय दिविवजय महाविद्यालय प्राचार्य डा सुचित्रा गुप्ता ने सभी केंद्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नोडल अधिकारी साहू ने बताया कि परीक्षा व्यापम के नवीन दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा

आरंभ होने के दो घंटे पूर्व यानी सुबह नौ बजे तक अपने परीक्षा केंद्र में प्रवेश पत्र एवं मूल पहचान पत्र के साथ पहुंचना अनिवार्य है। सुबह 10.30 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

हल्के रंग के कपड़े अनिवार्य परीक्षार्थियों की फ्रिस्किंग (जांच) की जाएगी और व्यापम द्वारा निर्धारित ड्रेस कोड का पालन अनिवार्य रहेगा। परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह के कपड़े पहनना होगा तथा फुटवियर के रूप में केवल चप्पल पहनकर आना होगा। कान के आभूषण,

इलेक्ट्रानिक उपकरण, घड़ी, पर्स, पाउच, स्कार्फ , बेल्ट, टोपी आदि वस्तुएं परीक्षा केंद्र में पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगी।

पहचान पत्र भी जरूरी

समन्वयक डा सुचित्रा गुप्ता ने बताया कि प्रवेश पत्र के साथ परीक्षार्थी को मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, या ड्राइविंग लाइसेंस) साथ लाना अनिवार्य है। बिना मूल पहचान पत्र के प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र में अंकित केंद्र में ही परीक्षा देने की अनुमति होगी। अन्य किसी केंद्र में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

रेयर अर्थ को लेकर चीन का रोज रोज का झँझट खत्म करने की तैयारी में हैं मोदी



नीरज कुमार दुबे

भारत सरकार दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम हूनेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशनह (NCMM) के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

संपादकीय

कृषि समृद्धि की नई राह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की समृद्धि की नीयी राह बनायी है। 24,000 करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई पपीम धन-धान्य कृषि योजना भारतीय कृषि के परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा सकती है। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की समृद्धि की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। जब जलवायु परिवर्तन, घटती उत्पादकता, और बढ़ती लागतों के बीच किसान जीवनयापन के संकट से जूझ रहे हैं, तब यह योजना उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास देने का कार्य करेगी। इस योजना का मूल उद्देश्य देश के हर खेत तक सिंचाई सुविधा पहुंचाना, फसल उत्पादकता में वृद्धि करना, किसानों को सुलभ ऋण और भंडारण की बेहतर व्यवस्था प्रदान करना है। भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में आज भी लाखों किसान वज्रा आधारित खेती पर निर्भर हैं। अनियमित मानसून और सीमित सिंचाई संसाधन किसानों के जीवन को अनिश्चित बनाते हैं। ऐसे में, यह योजना जल प्रबंधन और सिंचाई के विस्तार के माध्यम से खेती को स्थायित्व और सुरक्षा प्रदान करेगी। धन-धान्य योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू आधुनिक भंडारण सुविधाओं के सुजन से जुड़ा है। भारत में हर वर्ष लाखों टन अनाज भंडारण की कमी के कारण खराब हो जाता है। अब आधुनिक गोदामों, कोल्ड स्टोरेज और ग्रामीण स्तर पर वेयरहाउसिंग की व्यवस्था किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने में मदद करेगी। इससे उन्हें फसल को सही मूल्य मिलने तक बेचने का इंतजार करने का अवसर मिलेगा, और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता घटेगी। किसानों को सुलभ और कम ब्याज पर ऋण उन उपलब्ध कराना भी इस योजना का एक महत्वपूर्ण कड़ी है। छोटे और सीमांत किसान अक्सर बैंकिंग प्रणाली से दूर रह जाते हैं और स्थानीय साहूकारों के शोषण का शिकार बनते हैं। अब उन्हें सस्ते ऋण की सुविधा मिलेगी, जिससे वे आधुनिक बीज, कृषि यंत्र और नई तकनीकों को अपनाने में सक्षम होंगे। योजना का एक अन्य अहम आयाम कृषि में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देना है। ड्रोन आधारित फसल निगरानी, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, मिट्टी परीक्षण, और जैविक खेती को प्रोत्साहन जैसी पहलें भारतीय कृषि को आत्मनिर्भर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाएंगी। यह कदम देश को डिजिटल एग्रीकल्चर के नए युग में ले जाने की क्षमता रखता है। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ आज भी कृषि ही है। यदि यह योजना ईमानदारी, पारदर्शिता और राज्य सरकारों के सहयोग से सही दिशा में लागू होती है, तो यह केवल किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि ग्रामीण पुनर्जागरण का आधार बनेगी। इससे कृषि को उद्योग से जोड़ने, ग्रामीण युवाओं को रोजगार देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में ठोस प्रगति होगी। निस्संदेह, पीएम धन-धान्य योजना भारतीय कृषि को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। यदि इसका क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से हुआ, तो यह देश के खेतों को हरियाली से, और किसानों के चेहरों को समृद्धि की मुस्कान से भर देगी।

चिंतन-मनन

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (संतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से रजगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावानामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है। यदि किसी का हृदय सतोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा भी सतोगुणी है। यदि हृदय रजोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा रजोगुणी और तमोगुण में स्थित है तो उसकी श्रद्धा तमोगुणी होती है। पूजा इसीके आधार पर होती है।

वैश्विक रणनीति और औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में 'रेयर अर्थ एलिमेंट्स' केवल वैज्ञानिक तत्त्व नहीं रहे बल्कि ये अब भू-राजनीतिक शक्ति का स्रोत बन चुके हैं। चीन द्वारा रेयर अर्थ मैनेज्मेन्ट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत सहित विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपनी रणनीतियाँ पुनः परिभाषित करने पर मजबूर कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में भारत सरकार अब नेशनल क्रिटिकल मिनरल स्टॉकपाइल (NCMS) कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है जो आने वाले वर्षों में भारत की तकनीकी और सामरिक आत्मनिर्भरता का आधार स्तंभ बन सकता है। हम आपको बता दें कि रेयर अर्थ तत्व कुल 17 विशिष्ट धात्विक तत्वों का समूह हैं, जिनमें नियोडिमियम, प्रसीओडिमियम, डिसप्रोसियम आदि शामिल हैं। इन तत्वों की खसियत यह है कि ये आधुनिक प्रौद्योगिकी की लगभग हर अहम मशीनरी में काम आते हैं— इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर, पवन चक्कियों के टर्बाइन, मोबाइल फोन, मिसाइलों के गाइडेंस सिस्टम और यहाँ तक कि उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट में भी। इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन विश्व आपूर्ति का लगभग 85% हिस्सा अभी भी चीन नियंत्रित करता है। जब चीन निर्यात पर रोक लगाता है, तो वैश्विक उद्योगों की नींव डगमगा जाती है। ऐसे में भारत को यह पहल केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि सामरिक आवश्यकता भी है। हम आपको बता दें कि भारत सरकार अब दो महीने का रेयर अर्थ भंडार तैयार करने की योजना बना रही है, जिसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' (NCMM) के अंतर्गत शुरू होगा, जिसके तहत पहले से ही 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस पहल का पहला लक्ष्य रेयर अर्थ तत्वों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है,



ताकि देश में रेयर अर्थ मैनेज्मेन्ट उत्पादन को गति मिल सके। इसके लिए सरकार ने पहले ही 7,300 करोड़ रुपये के प्रोत्साहन कार्यक्रम को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य अगले पांच वर्षों में 6,000 टन उत्पादन हासिल करना है। सरकार का इरादा भविष्य में इस दायरे को अन्य महत्वपूर्ण खनिजों— जैसे लिथियम, कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट तक विस्तारित करने का भी है। हम आपको बता दें कि भारत में रेयर अर्थ की उपलब्धता का अनुमान लगभग 7.23 मिलियन टन रेयर अर्थ ऑक्साइड का है, जो मुख्यतः 13.15 मिलियन टन मोनाजाइट अयस्क में पाया जाता है। ये अयस्क आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम

बंगाल, झारखंड, गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में फैले हुए हैं।

हालाँकि, असली चुनौती इन तत्वों को निकालने और शुद्ध करने की तकनीकी क्षमता की है। वर्तमान में भारत अपने घरेलू भंडारों से इन तत्वों का सीमित उपयोग करता है और प्रोसेसिंग के लिए बड़े पैमाने पर चीन और अन्य देशों पर निर्भर है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को यदि वास्तविक आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो केवल भंडारण नहीं, बल्कि प्रसंस्करण और परिष्करण तकनीकों में निवेश करना होगा।

देखा जाये तो चीन के कदम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि

एआई की लहर में खत्म होती नौकरियां, तकनीक वरदान या विनाश?



हैं, बार-बार नियम बदल रहे हैं, उसे अमेरिका में रह रहे प्रवासी भारतीयों के लिए एक तरफ कुआँ और दूसरी तरफ खाई बताया जा रहा है। यह लहर अब भारत पहुँच चुकी है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इन्फोसिस, विप्रो और एक्ससेर जैसी कंपनियाँ भी 'एआई स्किलिंग' के नाम पर कर्मचारियों की छंटनी दबे-छुपे तरीके से कर रही हैं। टीसीएस में इंजीनियरों को एआई और मशीन लर्निंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जो इस नए दौर की परीक्षा में पास नहीं होते हैं, उन्हें कंपनी से बाहर निकालने की तैयारी तरह-तरह से की जा रही है। जो कर्मचारी वर्तमान तकनीकी पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहे हैं, उन्हें सुनयोजित तरीके से कंपनी से बाहर निकालने के लिए तरह-तरह के प्रयास शुरू हो गए हैं। भारत में भी जल्द ही बड़े

पैमाने पर इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। सरकार और दूसरे संगठनों द्वारा लगातार एआई को प्रमोट किया जा रहा है। जैसे-जैसे एआई में काम बढ़ता जाएगा, मानव संसाधन कम होता चला जाएगा। इसका अगला कदम इस्तीफा और छटनी के रूप में भारत में भी शुरू हो चुका है। कर्मचारियों के लिए यह स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई उदाहरण सामने आ चुके हैं। जहाँ बिना किसी स्पष्ट कारण के इंजीनियरों एवं अन्य कर्मचारियों को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया है। यह एक व्यक्ति या एक परिवार के लिए संकट नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक चुनौती बनकर सामने आ गया है। बेंगलुरु, पुणे, चेन्नई और हैदराबाद जैसे आईटी हब में बड़े पैमाने पर

हजारों लोगों की नौकरियाँ जाती दिख रही हैं। तो उसका असर रियल एस्टेट, परिवहन, हॉस्पिटैलिटी और स्थानीय व्यवसायों तक पहुंचेगा जिसके कारण लाखों लोग बेरोजगार होंगे। यह सच है, एआई के जरिए कंपनियाँ अधिक कुशल हो रही हैं। यह भी उतना ही सच है, इससे मानव श्रम का महत्व तेजी से घट रहा है। आने वाले वर्षों में गिने चुने वही इंजीनियर और कर्मचारी मैदान में टिक पाएँगे जो खुद को एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों से लैस करेंगे। अब डिग्री और पिछले वर्षों के अनुभव का कोई महत्व नहीं रह गया है। सब काम सॉफ्टवेयर और मशीन करने लगी हैं। इसका असर सारी दुनिया में पड़ना शुरू हो गया है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। एआई की अपडेटेड स्किल ही करियर और नौकरी की गारंटी होगी। एआई अब केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि उद्योगों कृषि कार्यों एवं रोजगार के भविष्य में निर्णायक स्थिति बन गई है। अमेरिका से उठी छंटनी की लहर भारत तक पहुँच चुकी है। 'सुरक्षित' मानी जाने वाली आईटी नौकरियाँ भी अब सुरक्षित नहीं हैं। आने वाले समय में तकनीकी ही तय करेगी, कौन आगे बढ़ेगा और कौन तकनीकी दौड़ में पीछे छूटकर बेरोजगार हो जाएगा। एआई युग की यही सच्चाई है। जो खुद को बदलना सीखेगा, वही अपने भविष्य को सुरक्षित रख पाएगा। वैसे जिस तरह से मानव संसाधन की जगह तकनीकी और मशीनें लेती चली जा रही हैं, इसका असर दुनिया के सभी देशों में देखने को मिलेगा। करोड़ों लोगों को काम नहीं मिलेगा। ऐसी स्थिति में इतनी बड़ी जनसंख्या को किस तरह से रोजगार से जोड़कर रखा जा सकता है? तकनीकी के इस दौर में एक नई चुनौती सामाजिक, शासन-प्रशासन के सामने वैश्विक स्तर पर खड़ी होती चली जा रही है। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। तकनीकी का यह प्रभाव शुरूआती दौर में है, आगे चलकर यह बहुत सारी मुश्किलें खड़ी करने वाली है। जिस तरह से दुनिया में बेरोजगारी और आर्थिक संकट बढ़ रहा है, यदि समय रहते इसका कोई बेहतर रास्ता नहीं निकला गया तो बहुत भयानक दुष्परिणाम आने वाले वर्षों में देखने को मिल सकते हैं।

राजनीति : विपक्ष वही बढ़ेगा जो सत्ता से लड़ेगा



नवदे शिकोह

सत्ता से लड़ने वाला ही सत्ता हासिल कर सकता है, जो जितना लड़ा पाएगा वो उतना सत्ता के करीब बढ़ पाएगा। बेहतर कार्यों को नजरंदज कर सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में दो विपक्षी खेमे हैं- एक सपा-कांग्रेस का इंडिया गठबंधन और दूसरी बहुजन समाज पार्टी। विपक्ष की इन दो ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। किंतु जो विपक्षी खेमा दूसरे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक हमलावर होने के बजाय तारीफ करेगा उस दल के बारे में सरकार विरोधी मतदाताओं की राय बहुत अच्छी तो नहीं होगी। और जो विपक्षी खेमा हुकुमत पर हमलावर होगा सरकार विरोधी वोटर एकजुट होकर उस विपक्षी दल के समर्थन में खड़ा होगा। धर्म-जाति को किनारे रखकर देखिए तो चार तरह का वोटर नजर आता है। एक सत्ता को पसंद करता है और दूसरा सत्ता से नाखुश होता है,सत्ता के कार्यों से संतुष्ट नहीं होता। जो सत्ता के कार्यों से संतुष्ट है और उसे पसंद करता है वो वर्ग सत्तारूढ़ पार्टी को वोट देता है। जो सत्ता को पसंद नहीं करता वो वर्ग उस विपक्षी दल को चुनेगा जो सत्ता उखाड़ने में संघर्ष कर रहा हो और सत्ता के प्रति आक्रामक हो।

तीसरा वोटर वर्ग वो है जिसने सत्तारूढ़ पार्टी पर विश्वास कर सत्ता बनवाई। लेकिन उसकी अपेक्षा पूरी नहीं हुई, ऐसे वर्ग विकल्प ढूँढेगा। चौथा वर्ग भी है जो सत्ता को बेहतर इसलिए समझता है क्योंकि उसे सत्ता की खामियों का ज्ञान नहीं है। ऐसे सत्ता समर्थक वोटरों की आँखें खोलकर अपनी जेब में लाने के लिए भी विपक्षी दल सत्ता का कच्चा चिट्ठा खोलते हैं। बताते हैं कि मौजूदा सरकार ने जन अपेक्षाएं पूरी नहीं कीं। जन-विरोधी है सरकार। हुकुमत पर ऐसे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक कर रहे हैं कि बहन जी ने मंच पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करके अब तो भाजपा से अघोषित गठबंधन प्रकट कर दिया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि सरकारी मशीनरी ने मायावती की रैली में भीड़ जुटाई। भाजपा के सहयोग से बसों का इंतजाम किया गया था। समाजवादी कह रहे हैं कि विपक्ष का काम सत्ता की कमियों को सामने लाना होता है, लेकिन बसपा सुप्रीमो तो सत्ता की तारीफ कर रही हैं और विपक्षी दलों पर हमलावर हैं। वो स्पष्ट करें कि बसपा एनडीए की सहयोगी है या विपक्ष में है ? इस तरह तारीफ तो भाजपा के सहयोगी संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर भी नहीं करते। सपा के ऐसे

आरोपों के जवाब भी बसपाई खेमे से आने लगे हैं। कहां जा रहा है कि विपक्षी दल द्वारा सत्ता का आभार व्यक्त करना कोई गलत बात नहीं। बसपाई सत्तारूढ़ भाजपा से सपा के रिश्ते याद दिला रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में नरेंद्र मोदी की जीत की शुभकामनाएं देनी की याद दिला रहे हैं। मुलायम परिवार से मोदी-योगी के व्यक्तिगत मधुर रिश्तों से लेकर मुलायम सरकार का हिस्सा बनी कल्याण सिंह की पार्टी की याद दिलाई जा रही है। ये सच है कि प्रतिद्वंद्वी होना, राजनीति प्रतिस्पर्धी या राजनीति में विरोधी होने का अर्थ ये कतई नहीं कि हम आपसी शिष्टाचार भी भूल जाएं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह का संघ प्रमुख मोहन भागवत के करीब बैठना, मुलायम परिवार के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री मोदी का जाना, मुलायम सिंह का कुशलक्षेम पूछने योगी आदित्यनाथ का जाना शिष्टाचार है। इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या विरोध का कोई मतलब नहीं। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती का योगी सरकार को आभार व्यक्त करना भी गलत नहीं। लेकिन ये तय है कि यदि मायावती सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा सपा-कांग्रेस पर आक्रमक होती रही तो बसपा की स्थिति और भी खराब होती रहेगी। और सपा-कांग्रेस भी सत्ता के बजाय बसपा पर ज्यादा हमलें करती रहेगी तो ये इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक होगा। दलित समाज में कुछऐसे भी हैं जब उन्हें लगता है कि बसपा लड़ाई से बाहर और सत्ता में आने की संभावनाओं से काफी दूर है ऐसे लोगो ने भाजपा को विकल्प मान कर भाजपाई सरकार बनवाने में अपना बड़ा योगदान दिया। भाजपा के लिए सॉफ्ट और बसपा को पसंद करने वाला एक बड़ा वोटर वर्ग है। ये वर्ग मजबूरी में बसपा से इसलिए दूर हो गया था क्योंकि बसपा ने मैदान छोड़ दिया था। मायावती मैदान में वापस आ गई हैं इसलिए ये वोटर वर्ग बसपा में वापस होगा। बसपा के एक-एक वोटर में एक बात कामन रहेगी कि वो भाजपा के प्रति



सॉफ्ट होगा। मायावती द्वारा सपा के साथ कांग्रेस पर जबरदस्त हमलों से सपा का ये डर कम हो गया कि कांग्रेस उसका साथ छोड़ कर बसपा के साथ गठबंधन कर सकती है। योगी सरकार की तारीफ से ये तय हो गया कि अब सपा के मुस्लिम बल्कि वोट में अब बसपा आठ-दस फीसद वोट में भी सेंध नहीं लगा सकेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के देवारा मैदान में आने से यदि दलित घर वापसी कर बसपा में वापस होता है तो इसका नुकसान सिर्फ सपा-कांग्रेस को ही नहीं भाजपा को भी खूब होगा। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि आगामी 2027 के वूपी विधानसभा चुनाव में यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ और दलित वोटों के सहारे बसपा पचास-पचामन सीटें भी ले आई और इंडिया गठबंधन और एनडीए को बहुमत नहीं मिल सका तो दोनों गठबंधनों में किसी एक को मायावती को मुख्यमंत्री बनाना होगा। बहन जी ऐसी राजनीतिक कार्ययोजना पर काम कर रही हैं।



चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को मिला सम्मान

- गौतम अडानी ने सम्मानित किया, सुभाष घई बोले- एक्टर का अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम



मुंबई के व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में शुक्रवार को आयोजित **Celebrate Cinema 2025** के समापन समारोह में इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक मंच पर नजर आए। इस मौके पर अडानी ग्रुप चेयरमैन गौतम अडानी ने अभिनेता कार्तिक आर्यन को फिल्म चंदू चैंपियन के लिए सम्मानित किया। मंच पर डॉ. प्रीति अडानी, सुभाष घई, राजकुमार हिरानी, जैकी श्राफ और महावीर जैन भी मौजूद रहे। इस मौके पर सुभाष घई ने बताया कि कार्तिक का फिल्म चंदू चैंपियन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम है।

समापन समारोह के दौरान अडानी ने सॉफ्ट पावर ऑफ सिनेमा पर बात करते हुए कहा कि सिनेमा सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि देश की पहचान और भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा - अब वक्त है कि भारत की कहानी भारतीय नजरिए से दुनिया तक पहुंचे। दु तकनीक पर बात करते हुए अडानी ने कहा कि दु से डरने के बजाय उसे अपनाता चाहिए, क्योंकि यही फिल्ममेकिंग का भविष्य है। गौतम अडानी से सम्मानित होने के बाद कार्तिक आर्यन ने कहा, सर, आपकी स्पीच मेरी जिंदगी की सबसे प्रेरणादायक स्पीच में से एक थी। मैं दु से डरता था, लेकिन आपने मेरी सोच बदल दी। उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स को देश का श्रेष्ठ फिल्म स्कूल बताया और सुभाष घई को अपने करियर का अहम मार्गदर्शक कहा। सुभाष घई ने धावुक होकर कहा- बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्तिक मेरी फिल्म कांची के हीरो थे और छह महीने तक मेरे असिस्टेंट डायरेक्टर भी रहे। चंदू चैंपियन उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ काम है। राजकुमार हिरानी ने अडानी के भाषण को शोले की स्पीच जैसा ऐतिहासिक बताया और कहा कि सिनेमा की सॉफ्ट पावर उसकी सच्चाई में है।

फेस्टिव सीजन में क्या पहनना है?

राशि खन्ना हैं आपकी परफेक्ट स्टाइल गाइड!

त्योहारों का मौसम शुरू होते ही सबकी नजरें पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना पर टिकी हैं, जिनका बेमिसाल एथनिक वॉर्डरोब स्टाइल इंसिप्शन से कम नहीं। हवादार कुर्ता से लेकर शाही साड़ियों और खूबसूरत लहंगों तक, राशि हमें दिखाती हैं कि कैसे पारंपरिक फैशन को ग्रेस, ग्लैमर और मॉडर्न ट्विस्ट के साथ अपनाया जा सकता है। यहाँ हैं उनके कुछ सबसे खूबसूरत फेस्टिव लुक, जो आपके अपने फेस्टिव स्टाइल गेम को एक नया आयाम देंगे। गुलाबी रंग में सुंदर वाइब्रेट कुर्ता चिक राशि ने इस लुक में सादगी और शान का परफेक्ट मेल पेश करती हैं - फ्यूशिया पिक कुर्ता सेट, जिस पर नाजुक कढ़ाई की गई है। ट्रेडिशनल जूतियों और स्टेटमेंट इयररिंग्स के साथ यह लुक उत्तम है सहज है जितना कि एलीगेंट। पारिवारिक समारोहों, पूजा या छोटे फेस्टिव गेट-टुगेदर्स के लिए यह एकदम परफेक्ट चॉइस है। राशि का यह मस्टर्ड कुर्ता लुक सादगी और एलिगेंस का एक बेहतरीन उदाहरण है। सफेद धागों की कढ़ाई और पारंपरिक चूड़ियाँ इसमें एक नर्म आकर्षण जोड़ती हैं, जो दिन के उत्सवों या कैजुअल फेस्टिव इवेंट्स के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

➤ साड़ी ग्लैमर: आइवरी एलिमेंस

जो लोग सदाबहार पारंपरिक लुक को पसंद करते हैं, उनके लिए राशि की आइवरी सिल्क साड़ी और कंट्रास्टिंग पिक ब्लाउज एकदम परफेक्ट हैं। गर्ज से सजा जुड़ा, स्टेटमेंट ज्वेलरी और मिनिमल मेकअप पुराने जमाने की खूबसूरती का एहसास देते हैं - फेस्टिव डिनर या सांस्कृतिक समारोहों के लिए यह एक क्लासिक चॉइस है।

➤ रीमल रेडियंस: ऑलिव-गोल्ड साड़ी स्टेटमेंट

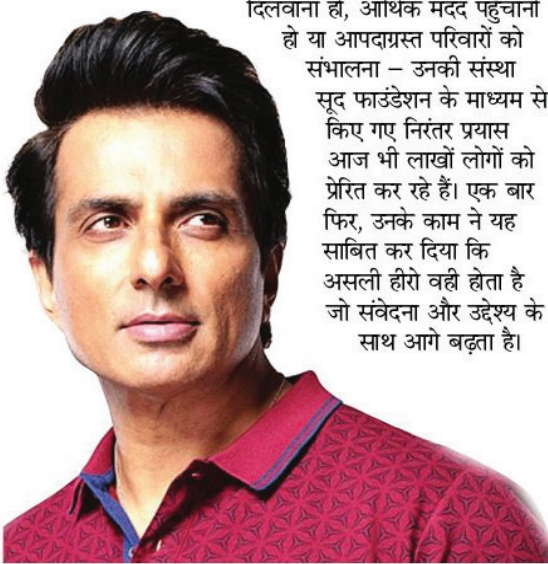
राशि की तरह बोल्ड और सॉफिस्टिकेटेड स्टेटमेंट दे इस डैजलिंग ऑलिव-गोल्ड साड़ी में, जिसे उन्होंने डीप-कट एम्बेलिशड ब्लाउज के साथ पेयर किया है। यह लुक पारंपरिक करीगरी और मॉडर्न स्टाइल का शानदार संगम है - भव्य पारिवारिक आयोजनों या फेस्टिव पार्टियों के लिए एकदम उपयुक्त है।

➤ फेस्टिव ड्रीम: ग्रीन और पिक लहंगा लव

जब फेस्टिव मूड अपने चरम पर हो और आप कुछ नया ट्राय करने का मन हो, तो राशि का यह ग्रीन और पिक लहंगा तोरानी डिजाइनर का सबसे खास त्योहारी आकर्षण है जो किसी शोस्टॉपर से कम नहीं। बारीक डिटेल्स, रिच कलर्स और पारंपरिक ज्वेलरी के साथ यह लुक शायदियों, रिसेशन या दीवाली पार्टीज के लिए परफेक्ट है।

सोनू सूद फिर जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए

अपनी अटूट करुणा और संवेदनशीलता की एक और दिल छू लेने वाली मिसाल पेश करते हुए अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद एक बार फिर एक जरूरतमंद परिवार की मदद के लिए आगे आए। एक सोशल मीडिया यूजर ने उन्हें एक मैसेज भेजा, जिसमें याद दिलाया गया कि सोनू सूद पंजाब की बाढ़ के समय इसी परिवार से मिले थे। संदेश में लिखा था -सोनू सूद भाई, आप इस परिवार से पंजाब बाढ़ के समय मिले थे। कृपा करके इन्हें मदद करें। करोड़ों लोगों की मदद की है आपने। ?? सूद फाउंडेशन अपने 'एक्शन मैन' वाली पहचान को साबित करते हुए सोनू सूद ने तुरंत इस अपील का जवाब दिया। बिना किसी देरी के उन्होंने भरोसा दिलाया कि मदद पहले से ही चल रही है, और जवाब दिया, इलाज शुरू करवा दिया है। सब दुआ करते रहें। उनकी प्रतिक्रिया की सरलता और तत्परता ने एक बार फिर संकटग्रस्त लोगों के प्रति उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण और सच्ची प्रतिबद्धता को उजागर किया। सोनू के लिए, परोपकार एक दिखावा नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। पिछले कुछ वर्षों में, सोनू सूद देश भर के अनगिनत लोगों के लिए आशा और मानवता के प्रतीक बन चुके हैं। चाहे चिकित्सा सहायता दिलवाना हो, आर्थिक मदद पहुँचानी हो या आपदाग्रस्त परिवारों को संभालना - उनकी संस्था सूद फाउंडेशन के माध्यम से किए गए निरंतर प्रयास आज भी लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। एक बार फिर, उनके काम ने यह साबित कर दिया कि असली हीरो वही होता है जो संवेदना और उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है।



पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए

बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंचे सुनील शेटी

पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए बॉलीवुड एक्टर सुनील शेटी ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एक्टर ने कोर्ट से मांग की है कि बिना अनुमति के उनके फोटो का इस्तेमाल जुए की साइट्स, बिजनेस साइट्स और कई गलत जगहों पर किया जा रहा है, ऐसे में उन्हें पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा दी जाए। सुनील शेटी के वकील, वरिष्ठ एडवोकेट बिरेन्द्र सराफ ने कहा कि सुनील शेटी फिल्म इंडस्ट्री का बड़ा नाम हैं और उनकी बिना इजाजत के उनकी तस्वीरें, वीडियो और डीपफेक कंटेंट का इस्तेमाल अलग-अलग बिजनेस साइट्स कर रही हैं। ज्यादा तस्वीरें और वीडियो का इस्तेमाल प्रोडक्ट के विज्ञापन और सेल को बढ़ाने में किया जा रहा है, जिससे ऐसा लगता है कि शेटी इन बांड्स या सेवाओं से जुड़े हैं, जबकि हकीकत में उनका उन बांड से कोई लेना-देना नहीं है। इससे दर्शकों के बीच एक्टर की छवि को लेकर गलत मैसेज जाता है। सुनील शेटी की तरफ से दायर की गई याचिका में डीपफेक फोटो का भी जिक्र है।

इंटरनेशनल म्यूजिक फेस्टिवल अनटोल्ड

दुबई 2025 में ग्लोबल स्टार नोरा फतेही मुख्य होंगी आकर्षण

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े और बहुप्रतीक्षित म्यूजिक फेस्टिवल्स में से एक UNTOLED दुबई 2025 के स्टार-स्टेड लाइनअप में शामिल होंगी। यह फेस्टिवल 6 से 9 नवंबर तक एक्सपो सिटी दुबई में आयोजित होगा, जहां नोरा, जे बाल्विन, मार्टिन गैरिक्स और एलन वॉकर सहित विश्व के कुछ सबसे बड़े संगीत हस्तियों के साथ मंच साझा करेंगी। यह फेस्टिवल, जो अपनी भव्य प्रस्तुति, विविध कलाकारों की मौजूदगी और अद्भुत अनुभव के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, इस वर्ष अपने शानदार अंदाज में वापसी कर रहा है, और नोरा का मुख्य परफॉर्मंस इस फेस्टिवल की सबसे बड़ी आकर्षणों में से एक होने वाली है। दर्शक उम्मीद कर सकते हैं एक हाई-एनर्जी प्रस्तुति की, जिसमें नोरा की सिग्नेचर डॉस एनर्जी, पॉप स्टाइल और इंटरनेशनल साउंड का अनोखा संगम देखने को मिलेगा - जो एक ग्लोबल परफॉर्मर के रूप में नोरा के विकास को दर्शाता है। ओह मामा! टेरेमा और स्नेक जैसे चार्ट-टॉपिंग हिट्स से लेकर जेसन डेरुलो और रेवनी के साथ ग्लोबल कोलैबोरेशन तक, और अब जल्द ही रिलीज होने वाली सॉना शेनसीया के साथ उनके बहुप्रतीक्षित आगामी अंतर्राष्ट्रीय पॉप सिंगल जस्ट अ गल तक, नोरा फतेही संगीत और प्रदर्शन के माध्यम से संस्कृतियों को जोड़ती रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो चुका है, जो उनके बढ़ते वैश्विक प्रभाव और सफलता में एक और उपलब्धि जोड़ता है, क्योंकि वह हर रिलीज के साथ ग्लोबल चार्ट और चर्चाओं पर हावी रहती हैं।



अश्लीलता वाली फिल्मों की मंजूरी पर जावेद अख्तर ने उठाया सवाल

दोहरे अर्थ वाले गानों के बारे में भी की बात



अश्लील फिल्मों को मिलती है मंजूरी

शुक्रवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए, अख्तर ने कहा कि खराब दर्शक ही एक खराब फिल्म को सफल बनाते हैं। अनंतरंग 2025 के प्रोग्राम में बोलते हुए उन्होंने कहा इस देश में, सच्चाई यह है कि अश्लीलता को (फिल्म नियामक संस्थाओं से) मंजूरी मिल जाती है। उन्हें पता ही नहीं है कि ये गलत मूल्य हैं, एक पुरुषवादी दृष्टिकोण है जो महिलाओं को अपमानित करता है। जो चीजें समाज को आईना दिखाती हैं, उन्हें मंजूरी नहीं मिलती।

फिल्में समाज की खिड़की हैं

जावेद अख्तर ने कहा फिल्म समाज की एक खिड़की होती है, जिससे आप झांकते हैं, फिर खिड़की बंद कर देते हैं, लेकिन खिड़की बंद करने से जो हो रहा है, वह ठीक नहीं हो जाएगा। उन्होंने कहा पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य की वजह से ही ऐसी फिल्में बन रही हैं। अगर पुरुषों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो जाए, तो ऐसी फिल्में नहीं बनेंगी। अगर बन भी जाएंगी तो (सिनेमाघरों में) नहीं चलेगी।

साभार एजेंसी



क्यों होती है बेचैनी

आपाधापी व कोलाहल से परिपूर्ण इस युग में उत्तेजना या बेचैनी की शिकायत एक आम बात है। एक अध्ययन के अनुसार 20 से 34 फीसदी लोग इस शिकायत से ग्रस्त हैं।

लक्षण

उत्तेजना या बेचैनी जैसी शिकायत में व्यक्ति किसी भी काम को शुरू करने से पहले ही घबराने लगता है। उसका दिल तेजी से धड़कने लगता है, हाथ-पैरों में थरथराहट होती है और पेट में हलचल महसूस होती है। इस रोग का सीधा संबंध हमारे शरीर के तंत्रिका तंत्र से होता है। उत्तेजना से संबंधित दो तरह की बीमारियां प्रायः ज्यादातर लोगों में पाई जाती हैं।

कुछ अनजाने डर

इसे चिकित्सकीय भाषा में ‘पैनिक डिसार्डर’ भी कहते हैं। इस मर्ज में रोगी बिना किसी कारण के उलझन महसूस करने लगता है। मानो उसकी सांसें रुक जाएंगी और दिल जोर से धड़कने लगता है और उसे घुटन-सी महसूस होने लगती है। ऐसे रोगी भीड़भाड़ वाली जगह पर नहीं जाते, उन्हें लिफ्ट पर चढ़ने में डर लगता है कि कहीं लिफ्ट न गिर जाए। इसी प्रकार की एक दूसरी समस्या को चिकित्सकीय भाषा में सामान्य उत्तेजना गड़बड़ी (जनरल एंग्जाइटी डिसार्डर) कहते हैं। इस रोग में रोगी दिन-भर घबराता रहता है। वह मामूली आहट से भी सहम जाता है। इस वजह से उसे नींद नहीं आती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है।

उपचार

इस तरह की मानसिक बीमारियों के उपचार के लिए अब यूएसएफडीए एप्रूव्ड जैसी कई प्रभावशाली दवाएं उपलब्ध हो चुकी हैं। इन दवाओं के सेवन से 12 से 15 सप्ताह के अन्दर रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है, इसके साथ ही रोगी को मनोचिकित्सकीय परामर्श भी दिया जाता है।

जीभ का स्वाद बिगड़ जाए तो...



- राई – पानी में 10 ग्राम राई को डालकर उबाल लें। इस पानी से प्रतिदिन सुबह-शाम कुल्ला करने से जीभ का स्वाद ठीक हो जाता है।
- नौसादर – 5 ग्राम नौसादर और 5 ग्राम कालीमिर्च को पीसकर इसमें शहद मिलाकर जीभ पर रगड़ें तथा लार को बाहर गिरने दें। इससे जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- दालचीनी – जीभ पर कड़वाहट महसूस होने पर दालचीनी या बच को पीसकर और छनकर इस चूर्ण में शहद मिलाकर सेवन करने से जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- अमलतास – 20 ग्राम अमलतास के गूदे को 250 ग्राम गर्म दूध में मिलाकर कुल्ला करें। इससे अफीम तथा कोकीन के सेवन करने के कारण खराब हुआ जीभ का स्वाद फिर से ठीक हो जाता है।



पोस्टपार्टम अवसाद और ‘बेबी ब्लू’, दोनों ही स्थितियां एक दूसरे से अलग हैं, इन दोनों प्रकार के अवसाद के लक्षण भिन्न है। ‘बेबी ब्लू’ प्रसव पूर्व होने वाली ऐसी अवस्था है, जो सबसे सामान्य है और हर तीन में से एक महिला में यह स्थिति पाई जाती है। प्रसव के बाद कुछ हफ्तों में शरीर में हुए हार्मोनल परिवर्तन की वजह से ये विकार होता है। प्रसव के बाद नई मां अवसर भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो जाती है, कुछ ही क्षण में वह खुश हो जाती है और अगले कुछ क्षणों में दुखी। ‘बेबी ब्लू’ विकार से और भी समस्याएं आ सकती हैं, लेकिन इससे आमतौर पर एक मां की जिम्मेदारी और कार्य में हस्तक्षेप नहीं होता और कुछ सप्ताह बाद यह बीमारी खत्म हो जाती है।

पोस्टपार्टम अवसाद एक अलग स्थिति है। यह समस्या प्रसव के पहले, दूसरे या तीसरे महीनों में किसी भी समय शुरू हो सकती है। इसमें दुःख और निराशा महसूस होती है या व्यक्ति कभी-कभी खुद को बेकार और दोषी मानता है। नई मां किसी भी कार्य या बात में एकाग्रता या रुचि लेने में असमर्थ हो जाती है, यहां तक कि बच्चे की जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाती। कुछ मामलों में बच्चों की जरूरतों को लेकर वो अति व्याकुल भी हो सकती है। वह बहुत चिंतायुक्त, संवेदनशील बन जाती है और उसके मन में इस तरह के परेशान करने वाले विचार बार-बार आने से उसको बच्चे के स्वास्थ्य की भी चिंता होने लगती है। ऐसे में नई मां बार-बार एक ही कार्य करती है, जैसे बच्चे कि बार-बार जांच करती है या फिर लगातार बच्चों के चिकित्सक को फोन करके सवाल पूछती है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

यदि आप गर्भवती हैं, तो आपके जीवन शैली में मातृत्व के बाद होने वाले बदलावों की पहले ही तैयारी करके खुद को पोस्टपार्टम अवसाद के जोखिम से बचाने में सक्षम किया जा सकता है। आप दूसरी माताओं या डॉक्टरों से बात करके नवजात शिशु की देखभाल के बारे में पूछ सकती हैं और इसमें कोई संकोच की बात नहीं। अगर आपको नवजात शिशु और आप में योग्य तालमेल निर्माण होने में समय लगता है तो आपको अपने साथी या डॉक्टर, जिनको आपकी परवाह है, उनसे मदद लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। अक्सर, जिनमें पोस्टपार्टम अवसाद का एक इतिहास है उनके लिए अवसाद के एण्टीडिप्रेसेंट उपचार के बिना मुकाबला करना मुश्किल होता है। इसलिए प्रसूति के तुरंत बाद डॉक्टर एण्टीडिप्रेसेंट दवा देना शुरू कर सकते हैं। इसके बारे में आपको पहले ही डॉक्टर से बात करना चाहिए। एक सामान्य नियम के रूप में डॉक्टरों को दवा की राशि गर्भावस्था के दौरान कम से कम निर्धारित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी अवसाद का जोखिम भ्रूण के जोखिम से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। इसलिए यह बहुत ही जरूरी है कि आप अपने डॉक्टर के साथ इन बातों पर चर्चा करें।



चिकित्सा के नए आयाम



चमत्कारिक पुष्प औषधि रेस्क्यू रेमेडी

कैसे हुई खोज

रेस्क्यू रेमेडी चिकित्सा पद्धति के आविष्कारक रहे हैं डॉ. एडवर्ड बेच जो लन्दन में प्रमुख एलोपैथिक डॉक्टर थे। इस चिकित्सा पद्धति से असन्तुष्ट होने से उन्होंने होम्योपैथिक डिग्री प्राप्त की और होम्योपैथिक पद्धति से चिकित्सा कार्य करना शुरू किया, लेकिन शीघ्र ही वे होम्योपैथिक पद्धति से भी असन्तोष का अनुभव करने लगे और किसी और भी सरल लेकिन सफल चिकित्सा पद्धति की खोज में लग गये। प्रकृति का अध्ययन करते हुए उनका ध्यान फूलों की तरफ गया। उन्होंने विचार किया कि स्वभावतः मनुष्य का मन फूलों की तरह कोमल होता है और मूलतः मनुष्य का अन्तर्मन सौम्य, सरल और भावुक होता है। इसका यह प्राकृतिक रूप मन के जिन छह शत्रुओं से बनता या बिगड़ता है, उनके नाम हैं काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह और मत्सर। इन्हीं विकारों के प्रभाव से मनुष्य अपना प्राकृतिक स्वरूप याने स्वाभाविक अवस्था खो देता है। स्वाभाविक अवस्था का होना स्वास्थ्य है और इसे खो देना अस्वास्थ्य है, रोग है। मनुष्य की स्वाभाविक अवस्था फूलों के समान है और यदि यह अवस्था बिगड़ जावे तो

चिकित्सा के क्षेत्र में जो विभिन्न पद्धतियां प्रचलित हैं, उनमें एक नाम बेच प्लावर रेमेडीज का भी मौजूद है। इसे रेस्क्यू रेमेडी भी कहते हैं। इस पद्धति की दवाएं चोट लगने की स्थिति में कारगर होती हैं। इनका संक्षिप्त परिचय आइए, जानते हैं।



इसे सुधारने के लिये फूलों का प्रयोग किया जा सकता है।

- सहायक सदस्यों की कमी।
- अपने नए शिशु की देखभाल के लिए कठिनाई, खासकर अगर बच्चे को गंभीर चिकित्सा समस्याएं हैं।
- किशोर माताओं, खासकर यदि वे गरीब आर्थिक संसाधनों वाले परिवारों से हैं।
- इस तरह के लक्षणों वाली महिलाओं में पोस्टपार्टम अवसाद कि विशेष रूप से उच्च जोखिम होती है। आधे से भी कम महिलाएं जिनको पोस्टपार्टम अवसाद होता है, वो उनकी समस्याओं के लिये चिकित्सा कराती है। कुछ महिलाएं इस बात से अनजान होती की उनको पोस्टपार्टम अवसाद है और वह इलाज से ठीक हो सकती है। कुछ महिलाएं ऐसा सोचती है की उनको तो एक बच्चा होने के बाद खुश होना चाहिये फिर उनको उदासी क्यों हो रही है, इस तरह के अजीब लक्षणों से उनको शर्मिंदगी होती है और वो किसी से मदद भी नहीं ले पाती।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

- एक महिला जिसको पोस्टपार्टम अवसाद है, उसमें निम्नलिखित लक्षणों में से कोई भी लक्षण हो सकते हैं–
- टीयर फुलनेस निराश लगना और रोना आना।
- कभी-कभी बच्चे के सुरक्षा को ले के सनकी, मजबूर या बेचैन होना।
- कभी बच्चे को संभालने की जिम्मेदारी को ले के खुद को सक्षम ना समझना।
- खुद को निकम्मा, बेकार या दोषी समझना।
- अतिसंवेदनशिल होना या दबाव महसूस होना।
- सभी गतिविधियों में से रुचि चली जाना या किसी बात पर आनंद होना एक मा होने पर भी आनंद ना होना।
- भूख में परिवर्तन (या तो ज्यादा खाना या आहार में कमी होना)।
- नींद में समस्या (नींद ना लगना, या जल्दी जाग जाना)।
- उत्तेजित दिखना या अत्यंत धीमा होना।
- सामान्य से बहुत थकान होना, जो एक बच्चे में सामान्य है।



एलोपैथी आज दुनिया-भर में सर्वाधिक प्रचलित चिकित्सा प्रणाली है। नित नई औषधि-तत्वों की खोज हो रही है। ज्यादातर दवाओं के गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसे में लोगों का रुझान सैकड़ों वर्षों से व्यवहृत और निरापद चिकित्सा पद्धतियों की तरफ देखा जा रहा है।

धब्बेदार अधःपतन

धब्बेदार अधःपतन एक कठिन रोग है और वह एक नंबर के हैं। एफडीए इलाज को मंजूरी दी गई है। कई तरीकों से काम धीमा करने के लिए, रोक या धब्बेदार अधःपतन के प्रभाव को रिवर्स, कोई भी एक निर्णायक इलाज का परिणाम विश्वसनीय होता है। अधः पतन की जगह लेने के लिए कई परीक्षण हो रहे हैं। इनका उपचार किसी भी हालत के लिए उपयुक्त हो सकता है, अपने नेत्र चिकित्सक के साथ चर्चा करके ठीक तरह से उपचार कर सकते हैं। इसकी स्थिति सक्रिय होती है। धब्बेदार अधः पतन का व्यवहार शुष्क रहता है। यह इंजेक्शन के माध्यम से प्राप्त होता है।

लाभ

अधः पतन प्रोस्टाग्लैंडीन है, इससे रक्त प्रवाह, रेटिना के बीच रक्त प्रवाह के लिए प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार से कोशिकाओं की रक्षा में मदद करता है।

बाल सफेद हो रहे हों तो...

एक चम्मच भर
आंवला चूर्ण दो घूंट पानी से सोते समय अंतिम वस्तु के रूप में लें। असमय बाल सफेद होने और चेहरे की कान्ति नष्ट होने पर जादू का सा असर करता है। (साथ ही स्वर को मधुर और शुद्ध बनाता है तथा गले की घर-घराहट भी इससे ठीक हो जाती है।

एक और उपाय है

आंवला चूर्ण का लेप – सूखे आंवलों के चूर्ण को पानी के साथ लेई बनाकर इसका खोपड़ी पर लेप करने तथा पांच दस मिनट बाद केशों को जल से धो लेने से बाल सफेद होने और गिरने बन्द हो जाते है।



आंवला जल से सिर धोएं

25 ग्राम सूखे आंवलों को मोटा कूटकर किए हुए टुकड़ों को 250 ग्राम पानी में रात को भिगो दें। प्रातः फूले हुए आंवलों को कड़े हाथ से मसलकर सारा जल पतले स्वच्छ कपड़े से छान लें। अब इस निथरे हुए जल को केशों की जड़ों में हल्के-हल्के अच्छी तरह मलिए और दस बीस मिनट बाद केशों को सादे पानी से धो डालिए। रूखे बालों को सप्ताह में एक बार और चिकने बालों को सप्ताह में दो बार धोना चाहिए।

वन विभाग के छोटे कर्मचारी पॉलीथिन के भरोसे

शौकिया चीजों के प्रेमी डीएफओ, फूंक रहे लाखों रुपए

भानुप्रतापपुर। हॉल ही में पदस्थ हुए पूर्व वन मंडल में भानुप्रतापपुर में डीएफओ ऋषभ जैन आईएफएस अपने चेबर और निवास की साजसज्जा में लगे हुए, आपको बता दे कि करीब डेढ़ वर्ष पूर्व डीएफओ चेबर में आग लगने के वजह से लाखों रुपए खर्च कर बनाया गया था, परंतु नए डीएफओ ऋषभ जैन (आईएफएस) के आते ही फिर से अपने चेबर का जीर्णोद्धार कर उच्च क्वालिटी की फर्निचर व पेंट पुड्री की जा रही है, जिसकी लागत करीब 10 लाख रुपए है, शौकिया डीएफओ अपने चेबर को सजाने में शासकीय राशि फूंकने में व्यस्त है, तो वहीं डीएफओ निवास के मॉड्यूलर किचन से लेकर स्मार्ट बेडरूम तक उच्च गुणवत्ता की महंगी वस्तुएं लगाए जा रहे हैं, इसमें



भी लाखों रुपए की राशि खर्च की जा रही है, मनेंद्रगढ़ में एसडीओ के पद से प्रशिक्षण प्राप्त कर डायरेक्ट डीएफओ बने ऋषभ जैन। आपको बात दे शासकीय क्राउटर में निवासरत वन विभाग के छोटे कर्मचारी बारिश के दिनों में अपने शासकीय घर में

छत से पानी टपकने से परेशान रहते हैं, पॉलीथिन के भरोसे उनका जीवन चलता रहा है तो वहीं बड़े शौकीन अधिकारी किस तरह शासकीय राशि का दुरुपयोग करते हैं, इसका जीता जगता उदाहरण आपके सामने है, वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा



भवन मरम्मत के लिए कई बार आवेदन दिया गया लेकिन अब तक भवन की मरम्मत नहीं हो पाई है। बड़े साहब अपनी शान-ओ-शौकत के लिए सभी नियम कायदे को दरकिनार करते हुए मनचाहे ढंग से अपने बंगले व कार्यालय को रेनोवेट

करवा लेते हैं जबकि निचले स्तर के कर्मचारियों के लिए बजट आभाव का बाहना बना लिया जाता है। **10 वर्षों से नहीं हुई शासकीय आवास का मरम्मत** वन विभाग के छोटे कर्मचारियों के मकान में 10 वर्षों से अधिक

समय से भवन की मरम्मत नहीं कराई गयी है, जबकि इसके लिए प्रति वर्ष बजट स्वीकृत होती है। विभाग के एक कर्मचारी ने बताया कि चार साल पहले से भवन मरम्मत के लिए विभाग के अधिकारियों को आवेदन दिया जा रहा है, तीन माह पूर्व भी आवेदन दिया गया था लेकिन आज पर्यन्त तक कोई मरम्मत नहीं कराया गया। फिलहाल छत के ऊपर व नीचे पॉलीथिन लगाकर काम चला रहे हैं। बारिश के दिनों में कई जगह से पानी टपकता है, सीपेज होने से छत से सीमेंट का गिरना व करंट का खतरा हर हमेशा बना रहता है। खिड़की व दरवाजा भी टूट चुके हैं। एक तरह से भवन में रहना चुनौती से कम नहीं है, पर यहां रहना भी हमारी मजबूरी है।

भैंस का सीजेरियन सेशन ऑपरेशन सफल



कोण्डागांव। जिले के ग्राम ओटेंडा में पशु मालिक शिवलाल नेताम के आठ वर्षीय भैंस की प्रसव में असमर्थता के कारण एक आपातकालीन शल्य चिकित्सा कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया। भैंस पिछले दो दिनों से जन्म देने की कोशिश कर रही थी, लेकिन असफल रही। पशु मालिक ने स्थिति गंभीर होने तक किसी को सूचना नहीं दी। जब टीम को जानकारी मिली, तब तत्काल मौके पर जाकर पशु का निरीक्षण किया गया। भैंस लेटे हुए अवस्था में थी और हाथ से प्रसव करना संभव नहीं था, क्योंकि बछड़ा पूर्ण

विकसित पश्चात मृत हो चुका था। सर्जरी डॉ. सुरेंद्र मरकाम और एमवीयू के डॉक्टर ने किया। उन्होंने तुरंत सीजेरियन सेक्शन करके मृत बछड़े को बाहर निकाला। इस प्रक्रिया से भैंस की जान बचाई गई और वह वर्तमान में स्वस्थ अवस्था में खड़ी है। इस ऑपरेशन के दौरान भैंस की स्थिति और स्वास्थ्य पर पूरी तरह ध्यान रखा गया तथा पशु को आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। इस सफल ऑपरेशन ने जिले में पशु स्वास्थ्य सेवाओं की तत्परता और विशेषज्ञ शल्य चिकित्सा की उपलब्धता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया।

कोंडागांव जिला को नीति आयोग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार

कोण्डागांव। जिले ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा आयोजित नीति फोर स्टेट्स - 'यूज केस चोलेंज अवॉर्ड्स' में कोंडागांव जिले को 'स्वास्थ्य एवं पोषण' श्रेणी में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। यह सम्मान जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना (आईएएस) को एलबीएसएनएए मसूरी में आयोजित समारोह में नीति आयोग के सीईओ बी. वी. आर. सुब्रमण्यम और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी के डायरेक्टर श्रीराम तरणीकांत द्वारा प्रदान किया गया। यह पुरस्कार जिले द्वारा प्रस्तुत गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की कमी लाने संबंधी पहल के लिए दिया गया, जिसमें डेटा-आधारित विश्लेषण, नवीन हस्तक्षेप, सतत निगरानी और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए गए हैं। जिले में संचालित इस पहल के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं में रक्ताल्पता की दर में कमी लाने के



लिए स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का समन्वित रूप से संचालन किया गया। इस नवाचार के परिणामस्वरूप जिले में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। नीति आयोग द्वारा इस उपलब्धि को आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के तहत एक उत्कृष्ट उदाहरण के रूप में चयनित किया गया है। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने इस

सम्मान को जिले की संपूर्ण टीम, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और समुदाय के सहयोग को समर्पित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि कोंडागांव की टीम भावना और सामुदायिक सहभागिता का परिणाम है। हमारा उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सतत सुधार लाना है। यह सम्मान न केवल कोंडागांव जिले के लिए, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए गौरव का विषय है।

बस्तर राइजिंग बस्तर की कला, संस्कृति और संभावनाओं की नई यात्रा

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ शासन के जनसंपर्क विभाग और बस्तर संभाग के जिला प्रशासन के संयुक्त पहल से बस्तर राइजिंग की शुरुआत की गई है। यह कारवां केवल एक सांस्कृतिक यात्रा नहीं, बल्कि बस्तर की आत्मा, उसकी कला, परंपरा, संस्कृति और लोक जीवन की जीवंत गाथा को विश्व पटल पर प्रस्तुत करने का प्रयास है। बस्तर राइजिंग का यह कारवां प्लेस ऑफ पॉसिबिलिटी के संस्थापक प्रतुल जैन के नेतृत्व में बस्तर संभाग के सभी जिलों की सकारात्मक कहानियों को नए दृष्टिकोण से सामने लाने का रही है। इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य बस्तर की कला, शिल्प और प्रथा को समझना तथा उन्हें एक व्यापक मंच प्रदान करना है। कारवां के सदस्य स्थानीय कलाकारों, कारीगरों और समुदायों से जुड़कर उनके अनुभवों, संघर्षों और रचनात्मक संसार को करीब से जान रहे हैं। इस पहल का विजन है कि बस्तर की धरोहर को केवल परंपरा तक सीमित न रखकर, उसे आधुनिक समय की रचनात्मक ऊर्जा और अर्थनिक अवसरों से जोड़ा जाए। कोंडागांव प्रवास के दौरान बस्तर राइजिंग टीम ने जिले की शिल्प परंपरा



को गहराई से समझा। टीम ने टेराकोटा कलाकार अशोक चक्रधारी से मुलाकात की, जो मिट्टी से जीवन का जादू रचते हैं। उन्होंने टीम को टेराकोटा शिल्प की बारीक प्रक्रिया से अवगत कराया, जिस प्रकार मिट्टी को गूँथ कर, आकार देकर और आग में तपकर कला का रूप दिया जाता है। टीम ने उनके द्वारा बनाए गए मैजिक दीये को देखा और उसकी कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा। अशोक चक्रधारी ने बताया कि इस कला में धैर्य, अनुभव और सटीकता की आवश्यकता होती है, क्योंकि एक छोटी सी त्रुटि पूरी मेहनत पर पानी फेर सकती है। इसके बाद टीम ने तिजूराम बघेल से

भेंट की, जो रॉट आयरन से अद्भुत कलाकृतियां बनाते हैं। उन्होंने बताया कि यह कला उनके पूर्वजों की धरोहर है। एक समय था जब उनका परिवार पत्थरों को पिघलाकर लोहा निकलता था, और उसी से औजारों से लेकर पूजा की वस्तुएं तक तैयार करता था। आज वही परंपरा एक नए रूप में क्राफ्ट के रूप में प्रचलनी जा रही है। तिजूराम बघेल ने यह भी बताया कि पहले निकाले गए लोहे का उपयोग बीज संरक्षण के लिए किया जाता था। बीजों के साथ पिघला हुआ लोहा रखने से कीड़े नहीं लगते थे। उन्होंने बस्तर के पारंपरिक ल्योहार अमरुस तिहार (हरेली) का भी उल्लेख किया,

जिसमें घरों के चौखटों पर लोहे की कील ठोकी जाती है ताकि नकारात्मक शक्तियां घर में प्रवेश न कर सकें। टीम ने इसके बाद डा. राजाराम त्रिपाठी से मुलाकात की। इस दौरान डॉ. त्रिपाठी ने खेती के पारंपरिक और प्राकृतिक तरीकों पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि नेचुरल फार्मिंग क्यों आवश्यक है। टीम ने उनके द्वारा तैयार किए गए विभिन्न हर्बल उत्पादों को देखा। डॉ. त्रिपाठी ने अपनी खेती की यात्रा साझा की और उन लोगों से भी मिलवाया जो आज प्राकृतिक खेती में सक्रिय योगदान दे रहे हैं। टीम ने चिखलपुट्टी

स्थित फार्म का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने काली मिर्च की खेती और विभिन्न जड़ी-बूटियों की किस्मों का अवलोकन किया। डॉ. त्रिपाठी ने जैविक खेती के महत्व, उसकी तकनीक और चुनौतियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि कलाइमेंट वेंज अब एक वास्तविकता बन चुका है, जिसका सीधा असर खेती पर दिखाई दे रहा है। इसके बाद टीम ने साथी संस्था के संस्थापक भूपेश तिवारी से भेंट की। उन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के अपने अनुभव साझा किए। चर्चा के दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि बस्तर के शिल्पकारों के जीवन को कैसे बेहतर बनाया जा सकता है और पर्यटन को संस्कृति से जोड़कर विश्व पटल पर कैसे प्रस्तुत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जनभागीदारी आधारित विकास की अवधारणा के अनुरूप यह पहल बस्तर के युवाओं, कारीगरों और कलाकारों को न केवल वित्तीय पहचान देने में मदद कर रही है, बल्कि उन्हें आर्थिक सशक्तिकरण से भी जोड़ रही है।

5 किलोमीटर की दूरी पैदल तय कर, नदी पार करके नियद नेल्लानार ग्राम बेलनार, बंगोली पहुंचे कलेक्टर

बीजापुर। जिले के कलेक्टर संवित मिश्रा ने भीरमगढ़ ब्लॉक के इंद्रावती नदी उस पार सुदूर गांव बेलनार में हाल ही में स्थापित सुरक्षा कैम्प का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन कर क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों पर चर्चा किए साथ ही ग्रामीणों से मिलकर क्षेत्र के विकास, शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। बेलनार में सुरक्षा कैम्प की स्थापना से नियद नेल्लानार योजना के तहत शामिल गांवों में विकास की रफ्तार तेज होगी और शासन की योजनाएं अब इन क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेंगी। इससे माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में विकास की मुख्यधारा से वंचित लोगों को



सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर के साथ जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने ग्रामीणों को ग्रामीण विकास की योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया। प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के छत का आशियाना बनाने

प्रेरित किया। नवीन आंगनबाड़ी भवन बन जाने से जिससे स्थानीय बच्चों को पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। निरीक्षण के दौरान सीईओ जनपद पंचायत, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्वामी आत्मानंद विद्यालय में बालिकाओं की रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन

कोण्डागांव। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, कोंडागांव में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा, सशक्तिकरण और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य पी. एस. डेनियल ने की। कार्यक्रम का संचालन अकिता चरण ने प्रभावशाली ढंग से किया। पोस्टर प्रदर्शनी में पूजा नेताम, विमला नेताम, पूजा पटेल, मनीषा कुशवाहा, गरिमा वर्मा और अनुकल्प मिश्रा ने बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और समता पर रचनात्मक संदेशों से परिपूर्ण आकर्षक पोस्टर प्रस्तुत किए। कविता वाचन सत्र में यमुना पटेल, हेमा नाग और अकिता नायक ने बालिकाओं के आत्मसम्मान, संघर्ष और सपनों की उड़ान को भावपूर्ण शब्दों में व्यक्त किया। भाषण प्रतियोगिता में डिंपल साहू और अखिलेश गायधने ने बालिका सशक्तिकरण



के सामाजिक और नैतिक पहलुओं पर प्रभावी वक्तव्य प्रस्तुत किए। विद्यालय की शिक्षिका त्रिवेणी बोस ने कहा कि ऐसे आयोजन बालिकाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व के गुणों का विकास करते हैं, जिससे वे भविष्य में समाज की प्रेरणा बन सकें। प्राचार्य पी. एस. डेनियल ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि बालिका केवल परिवार की नहीं, राष्ट्र की प्रगति की आधारशिला हैं। उन्हें सशक्त बनाना ही हमारे समाज का परम कर्तव्य है। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन और युवाओं की सहभागिता बढ़ाने संभागायुत ने ली वर्चुअल बैठक



बीजापुर। बस्तर संभाग के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने, उनके रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को निखारने, उन्हे अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने और बस्तर क्षेत्र की जनता का शासन से प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से बस्तर ओलंपिक 2025 आयोजन किया जाना निहित है। बीजापुर जिले के अधिक से अधिक प्रतिभागियों के सहभागिता के लिए बस्तर संभाग आयुक्त द्वारा विडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिले में बस्तर ओलंपिक में प्रतिभागियों के प्रचार-प्रसार, प्रतिभागियों के पंजीयन प्रगति एवं कलस्टर स्तर, विकासखण्ड स्तर एवं जिला स्तर पर आयोजन की

तिथि आयोजन स्थल का समीक्षा किया गया। इस विडियो कॉन्फ्रेंस में जिले के सभी जनपद पंचायतों में सरपंचगणों / जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति से संवाद करते हुए बस्तर ओलंपिक में अपने निर्वाचित क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को सहभागिता में सहयोग करने की अपील की। बस्तर ओलंपिक के इस विडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर संवित मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे, अनुविभागीय अधिकारी जगेश्वर कोशल, डिप्टी कलेक्टर एवं जिला खेल अधिकारी एन.पी. गवेल तथा समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान : बीजापुर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जिला अध्यक्ष का चयन की तैयारी शुरू

बीजापुर। शुक्रवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक अजयतुल्लह हुसैनी, छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक विधायक कुंवर सिंह निहाद (गुंडरदेही), विधायक रामकुमार यादव (चंद्रपुर) और बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत सफ़्ट हॉउस, बीजापुर में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया। नेताओं ने बताया कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में लिए गए निर्णय के अनुसार, कि कांग्रेस पार्टी संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विश्वास रखती है। इसी के तहत पार्टी संगठन के चुनाव भी लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किए जा रहे हैं। संगठन सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ, मंडल, ब्लॉक, जिला, प्रदेश और



राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत किया जा रहा है। जिला अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए बूथ स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक और जिला स्तर के कार्यकर्ताओं की भावनाओं को राष्ट्रीय नेतृत्व तक पहुंचाया जाएगा। जिला अध्यक्ष के चयन में अनुभव, पार्टी की विचारधारा के प्रति निष्ठा, संगठनात्मक क्षमता और सर्वमान्यता को प्राथमिकता दी जाएगी। यह निर्णय एआईसीसी अध्यक्ष द्वारा लिया जाएगा। एआईसीसी पर्यवेक्षक अजयतुल्लह हुसैनी ने कहा कि बीजापुर जिला कांग्रेस संगठन

पहले से ही मजबूत है और इसे बूथ स्तर तक और सशक्त किया जाएगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ में सतारूढ़ भाजपा सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने और आदिवासियों व गरीबों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि बीजापुर जिले में लगभग 250 मतदान केंद्रों में से 50 मतदान केंद्र ऐसे हैं, जहां मतदान नहीं होता। उन्होंने आशंका जताई कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा इन केंद्रों पर वोट चोरी की कोशिश कर

सकती है। इसके लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने और मतदान जागरूकता बढ़ाने की हिदायत दी गई। हुसैनी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा मिलकर बस्तर संभाग के खनिज संसाधनों को अपने उद्योगपति मित्रों, विशेष रूप से अडानी समूह, को सौंपने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा बस्तर में आदिवासियों के बीच धर्म, जाति और अन्य आधारों पर फूट डालने का प्रयास कर रही है।

मांड़ीगुड़ा एवं जामावाड़ा में मनाया गया विश्व बालिका दिवस



जगदलपुर। छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जाने वाले विभिन्न गतिविधियों के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानगुर के अंतर्गत माध्यमिक शाला मांड़ीगुड़ा में विश्व बालिका दिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के खेल जैसे क्रिकेट, बैलून, गेम, म्यूजिकल चेयर आदि गेम किया गया तथा इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानगुर के बीएमओ डॉक्टर राधेश्याम भवर

द्वारा बालिकाओं के स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी दी गई तथा प्रधान अध्यापक जी पी राव द्वारा बालिकाओं को शिक्षा एवं लिंगानुपात के संबंध में बताया गया। सुपरवाइजर नरेश मरकाम द्वारा गीतों के माध्यम से बालिकाओं की स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई एवं आरबीएस के डाक्टर रिवान साहू व चिरायु टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान किया गया।

इसी के तहत ग्राम जमावड़ा आंगनबाड़ी में विश्व बालिका दिवस में किशोरी बालिकाओं द्वारा रंगोली, गीत, अन्य कार्यक्रम किया गया जिसमें ग्रामीण महिलाओं के साथ साथ, बच्चों ने भी बड़ी संख्या में रैली में नारा, बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ, बेटी पढ़ेगी, आगे बढ़ेगी जैसे नारों के साथ रैली निकाला गया। इस अवसर पर सेक्टर सुपरवाइजर शिव भंडारी ने सभी

का आधार व्यक्त किया। इस अवसर पर आरएफओ महेश कश्यप, जयदेव नाग, विमला कश्यप, अलीशा जोयाल, प्रधान अध्यापक राव, शिक्षकगण महेश सेठिया, कमल बेसरा, रनिका सेठिया सरस्वती बघेल, सीएचओ वैशाली नाग, श लक्ष्मी शांडिल्य दिलेश्वरी नाग, चिरायु आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन दीदी तथा ग्रामवासी उपस्थित थे।

वित्त मंत्री चौधरी ने अहिवारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का किया शुभारंभ, क्षेत्र के 56 गांव के लोग होंगे लाभान्वित

दुर्ग। प्रदेश के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण,योजना, आर्थिक सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी के मुख्य आतिथ्य में आज दुर्ग जिले के अहिवारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री चौधरी ने कार्यालय नगर पालिका परिषद अहिवारा के रैन बसेरा परिसर में फीता काट कर नवीन उप पंजीयक कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल, अहिवारा के विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, जिला पंचायत की अध्यक्ष मतो सरस्वती बजारे, तेलथानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के जनता की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हुई है। नवीन उप पंजीयक कार्यालय में अहिवारा क्षेत्र के नगर पालिका परिषद के समस्त वार्ड तथा राज्यक निरीक्षक मंडल अहिवारा एवं मुमुंदा के अंतर्गत आने वाले कुल 56 ग्रामों की रजिस्ट्रियां पूर्व में उप



पंजीयक कार्यालय धमधा एवं भिलाई में होती थी। अब नवीन उप पंजीयक कार्यालय अहिवारा में 10 अक्टूबर 2025 से इन सभी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली अचल संपत्तियों से संबंधित समस्त दस्तावेजों का पंजीयन होगा। जिससे पक्षकारों को पंजीयन कार्य में सीधे लाभ मिलेगा, उनका समय एवं संसाधनों की बचत होगी। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार प्रदेश में विकास के कार्य को आगे बढ़ाने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी को क्रमशः पूरा कर रही है। चाहे वह किसानों का 3100 रूपए प्रति हेक्टेयर धान

खरीदी हो अथवा 18 लाख प्रधानमंत्री आवास का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश सरकार 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये महतारी बंदन की राशि जारी कर रही है। वित्त मंत्री ने बताया कि रायपुर से राजनांदगांव को जोड़ कर इंटीग्रेटेड प्लान के साथ विकास किया जाएगा। मेट्रो रेलवे लाईन का सर्वे हो चुका है। उन्होंने बताया कि जमीन की रजिस्ट्री कार्य में आमूलचूल परिवर्तन कर नई पद्धति लागू की गई है। इसके लिए एकट में परिवर्तन किया गया है। वर्तमान में सुगम ऐप के माध्यम से रजिस्ट्री कार्य केला-विक्रेता दोनों के मौजूदगी में किया

जा रहा है। ई-स्टाम्प, पेपरलेस प्रक्रिया, स्वतः पंजीयन का प्रावधान से नामांतरण हो रहा है। वित्त मंत्री चौधरी ने क्षेत्र की जनता को पंजीयन के नये पद्धति से लाभ लेने का आग्रह किया। उन्होंने अहिवारा में आदर्श पंजीयन कार्यालय एक वर्ष में तैयार करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्कूल शिक्षा मंत्री यादव की मांग पर कहा कि अहिवारा में पूर्व निर्मित मकान को नियमितीकरण करने शासन स्तर से प्रयास किया जाएगा। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने अहिवारा वासियों को नवीन उप पंजीयक कार्यालय शुभारंभ पर बधाई दी। मंत्री यादव ने रजिस्ट्री के पुरानी पद्धति और नई पद्धति से अक्वत

कराते हुए इस पद्धति का पूरा श्रेय वित्त मंत्री को दिया। उन्होंने विधायक कोर्सेवाड़ा की मांग पर अहिवारा में केंद्रीय विद्यालय खोलने का भरोसा दिलाया। मंत्री यादव ने अहिवारा में मकान नियमित कराने वित्त मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट किया। सांसद विजय बघेल ने अहिवारा को उप पंजीयक कार्यालय की सौगात के लिये वित्त मंत्री का आभार माना। उन्होंने वित्त मंत्री जी की प्रशासनिक क्षमता और निर्णय का सराहना किया। विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। उन्होंने शासन प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए क्षेत्र के विकास में आगे भी सहयोग की अपेक्षा की। विधायक कोर्सेवाड़ा ने मंत्री द्वय से अहिवारा में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग की। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्वागत उद्घोषण में बताया कि नवीन उप पंजीयक कार्यालय से 56 गांव के लोगों को सुविधाये उपलब्ध होगी।

शिक्षा से ही स्वच्छ समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण: मंत्री गजेन्द्र यादव

अभ्युदय संस्थान, अछोटी में चेतना विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा पर कार्यशाला आयोजित



दुर्ग। अभ्युदय संस्थान अछोटी में चेतना विकास एवं मूल्य आधारित शिक्षा विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने शिक्षकों से संवाद करते हुए कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में संस्कार, चेतना और सकारात्मक परिवर्तन का आधार है। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विकसित भारत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नई शिक्षा नीति में नैतिक शिक्षा, जीवन मूल्यों और व्यवहारिक ज्ञान को

विशेष महत्व देने की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना को प्रार्थमिकता दें, ताकि आने वाली पीढ़ी विकसित छत्तीसगढ़ और सशक्त भारत निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सके। कार्यशाला में विभिन्न स्कूल के प्राचार्य और शिक्षकों के साथ विचार-विमर्श के दौरान मंत्री यादव ने कहा कि स्वच्छ समाज की नींव सशक्त शिक्षा व्यवस्था पर ही आधारित है। जब स्कूलों में संस्कार, अनुशासन और सेवा भाव का वातावरण विकसित होगा, तब राष्ट्र भी स्वच्छ और जागरूक

बनेगा। कार्यशाला में विभिन्न स्कूलों से पहुंचे शिक्षकों ने वर्तमान शिक्षा परिस्थितियों को और बेहतर बनाने अपने-अपने अनुभव को साझा किये। नई शिक्षा नीति में मूल्य आधारित शिक्षा को विद्यालयों में और प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प लिये जिससे विद्यार्थी सशक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण में विद्यार्थी भागीदारी बनें। कार्यक्रम में लोक शिक्षण संचालक ऋतुराज रघुवंशी, योगेश शास्त्री, संकेत ठाकुर, अनीता शाह, पार्षद कुलेश्वर साहू एवं कांशीराम कोसरे सहित क्षेत्र के अनेक शिक्षकगण उपस्थित थे।

सड़क पर केज व्हील लगे ट्रैक्टर चलाना होगा महंगा, परिवहन विभाग ने दिए सत निर्देश

बेमैतरा। अब खेतों में जुताई या मिट्टी पलटने के कार्य में उपयोग होने वाले लोहे के केज व्हील लगे ट्रैक्टर अगर सड़क या सीमेंट रोड पर चलते पाए गए, तो उनके संचालकों के विरुद्ध चलानी कार्यवाही की जाएगी। परिवहन विभाग ने इस संबंध में सख्त रुख अपनाते हुए प्रदेश के सभी जिला परिवहन अधिकारियों (आरटीओ) को निर्देश जारी किए हैं कि ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलने से रोक जाए और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। यह निर्णय उच्च न्यायालय, बिलासपुर में दायर एक जनहित याचिका के बाद लिया गया है। याचिका में उल्लेख किया गया था कि कृषि उपयोग के लिए बनाए गए ट्रैक्टरों को सड़कों और राजमार्गों पर अनधिकृत रूप से चलाया जा रहा



है। खेतों में जुताई या मिट्टी पलटने के दौरान जिन लोहेनुमा पिंजरे जैसे पहियों (केज व्हील) का उपयोग किया जाता है, वे जब सड़क पर चलते हैं तो सड़क को सख्त को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। इसके साथ ही दुर्घटनाओं की संभावना भी बढ़ जाती है। ऐसे ट्रैक्टरों का सड़क पर संचालन मोटरयान अधिनियम एवं नियमों के विरुद्ध माना गया है। जिला परिवहन अधिकारी, बेमैतरा ने

जिले के समस्त कृषक भाइयों से अपील की है कि खेतों में मिट्टी पलटने या जुताई के दौरान केज व्हील का उपयोग केवल खेतों में ही करें। सड़क पर

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पी.एम. धन धान्य कृषि योजना, पल्सेस मिशन एवं अन्य योजना दलहन व तिलहन सहित 1100 अन्य परियोजनाओं का एन.एस.सी. कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली से शुभारंभ किया गया। जिसका सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र, पाहदा (अ.), दुर्ग में किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय जैन ने स्वागत उद्घोषण में इस कार्यक्रम का किसानों के लिये होने वाली उपयोगिता की जानकारी प्रदान की। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल जी ने अपने व्याख्यान में कहा हमारा जो देश कृषि प्रधान देश है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किसानों के हित में निरंतर नये योजनाएं लाई जाती है। जिसके अंतर्गत पी.एम. धन धान्य कृषि योजना लाई गई है, जिसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना



फसल विविधीकरण और टिकाऊ खेती को अपनाना है। कृषि विज्ञान केन्द्र की सराहना करते हुए कहा कि इस विषय में समय-समय पर वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। जिला पंचायत

समापति मती नीलम राजेश चन्द्राकर, जनपद अध्यक्ष मती किर्ती दुर्गा नायक, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पाटन कमलेश वर्मा, पूर्व जिला सदस्य मती हर्षा लोकमणि चंद्राकर, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा

विनायक ताम्रकर, सरपंचत ग्राम पंचायत मती ईशरावती ठाकुर, सरपंच बटंग गेंदुराम वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ईश्वरी कुमार साहू तकनीकी सत्र के अंतर्गत धान से आने वाली कीड़े बिमारी की

समस्याओं का संपूर्ण जानकारी देते हुए धन धान्य कृषि योजना-तर्गत कम लागत में उत्पादन बढ़ाने तथा छ.ग. राज्य को दलहन व तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने हेतु चना, तिवड़ा, अरहर, सरसों आदि के खेती के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दिया गया। इस अवसर पर कृषि, बागवानी, पशुपालन एवं जैविक खेती, प्राकृतिक खेती से संबंधित नवीनतम तकनीकों की जानकारी भी किसानों को प्रदान की गई। कार्यक्रम में कुल 236 से अधिक किसानों ने भाग लिया और योजनाओं से जुड़ी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में उप संचालक कृषि सदीप भोई, उप संचालक उद्यानिकी नारायण सिंह लावरे, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ललिता रामटेके, डॉ. विनय कुमार नायक, डॉ. कमल नारायण, प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ. आरती टिकरिह उपस्थित थे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अंतर्गत वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे का आयोजन

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान अंतर्गत वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उमरपेटी दुर्ग में विगत 09 अक्टूबर को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी वन स्टॉप सेंटर से साइको सोशल काउंसलर कविता डोरेले द्वारा बच्चों को मेंटल हेल्थ की समस्या होने के कारण, निराकरण एवं बचाव के तरीके के बारे में विस्तार से बताते हुए इसका समाधान भारतीय जीवनशैली, रहन-सहन, खान-पान, व्यायाम, योग एवं ध्यान के माध्यम से मेंटल हेल्थ को सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। ध्यान और योग आत्मिकता से ही भावीत है। इसके अतिरिक्त इसे पोषण एवं स्वास्थ्य से जोड़ते हुए तिरंगा भोजन, संतुलित आहार, अंकुरित अनाज सेवन के महत्व को बताया गया। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू से मिली जानकारी

अनुसार कार्यक्रम में जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र हब आईसीपीएस, चाइल्ड लाइन व सभी वन स्टॉप सेंटर द्वारा महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी बच्चों के साथ साझा की गई। बच्चों के मन में उठ रहे समस्याओं एवं सवाल को भी समाधान दिया गया। बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ दिलायी गई। कार्यक्रम में शाला प्राचार्य कीर्ति प्रधान, स्कूली छात्र-छात्राएं, विभागीय कर्मचारीगण, विद्यालय के शिक्षकगण, कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) से विनिता गुप्ता जिला मिशन समन्वयक, लोकमणी साहू सामाजिक कार्यकर्ता आईसीपीएस, कविता डोरेले परामर्शदाता सभी वन स्टॉप सेंटर, जेंडर विशेषज्ञ लक्ष्मी कान्त यादव, मती शिल्पी उपाध्याय वित्तीय साक्षरता एवं समन्वयक कार्यक्रम एवं बच्चों के लिए समाचार वर्कर चाइल्ड लाइन एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। विद्यालय के नवमी से बाहरी तक के कुल 97 छात्र एवं छात्राएं वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देशन में जिले में गिरदावरी और डीसीएस कार्य प्रगति पर : किसानों से सूची के अवलोकन और सुधार हेतु अपील

बेमैतरा। कलेक्टर रणबीर शर्मा के निर्देशन में बेमैतरा जिले के सभी 425 ग्राम पंचायतों में खरीफ वर्ष 2025-26 की गिरदावरी और DCS (Digital Crop Survey) का प्रकाशन का कार्य किया जा रहा है। जिले के 678 ग्रामों में DCS कार्य किया गया, जबकि 30 ग्रामों में मैनुअल गिरदावरी की प्रक्रिया पूर्ण कर लिया गया है। सभी ग्राम पंचायतों में गिरदावरी और छ्प्र सूचियों का प्रकाशन किया जा रहा है तथा ग्राम सभाओं में इन सूचियों का पठन भी कराया जा रहा है, ताकि किसान अपनी फसल संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकें। साथ ही, किसानों की जानकारी के लिए समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। जिला बेमैतरा के समस्त किसान बंधुओं को सूचित किया जाता है कि खरीफ वर्ष 2025-26 की मैनुअल गिरदावरी व खरबूट फसलों को ऑनलाइन +धुईया पोर्टल+ में इन्द्राज किया गया। इस सूची की एक प्रति ग्राम पंचायत भवन में चप्सा की गई है, जिसे किसानगण देख सकते



हैं। किसान अपने मोबाइल से Google में "CG Bhuiya" सर्च कर भी अपनी फसलों का विवरण ऑनलाइन देख सकते हैं। यदि किसी किसान को सूची में फसल का नाम, रकबा या खसरा विवरण में कोई त्रुटि प्रतीत होती है, तो वे 14 अक्टूबर 2025 तक संबंधित पटवारी कार्यालय या तहसील कार्यालय में आवश्यक सुधार हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। यह भी अवगत कराया जाता है कि प्रकाशित सूची में धान फसल को छोड़कर अन्य फसलों या पड़त भूमि दर्ज खसरा नंबरों का विवरण ही दर्शाया गया है। अर्थात् सूची में जो खसरा नंबर नहीं दर्शाए गए हैं, उनमें धान फसल पहले से

दर्ज है। कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिले के समस्त किसानों से अपील की है कि वे प्रकाशित गिरदावरी सूचियों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करें और यदि कोई त्रुटि दिखाई दे तो समयसीमा के भीतर सुधार हेतु आवेदन अवश्य करें। उन्होंने कहा कि केंद्र/राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजना कृषक उन्नति योजना का लाभ शत प्रतिशत लाभ पहुंचाने व सभी किसानों को खाते को एक ही पोर्टल पर एग्रीस्ट्रेक पोर्टल पर पंजीयन तथा छ्प्र कार्यों में पारदर्शिता किसानों को आगामी समर्थन मूल्य खरीदी और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने में सहायक होगी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुत बिजली योजना से बिजली उपभोक्ता बन रहे 'ऊर्जा दाता'

बेमैतरा। प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। अब पारंपरिक बिजली उपभोक्ता खुद ऊर्जा उत्पादक बन रहे हैं। बेमैतरा जिले के पंजाबी कॉलोनी निवासी इंद्र सिंह दत्ता ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर इस योजना का लाभ उठाया है।मात्र एक माह में उनके सोलर प्लांट ने 320 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन किया है। दत्ता ने बताया कि इस प्लांट से न केवल बिजली बिल में राहत मिली है, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में बेचकर आय भी प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि यह योजना वास्तव में आम नागरिक को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का माध्यम है। डबल सब्सिडी से दोगुना लाभ-प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट के सोलर प्लांट पर केंद्र सरकार से ₹78,000 तथा राज्य सरकार से ₹30,000 की



सब्सिडी प्राप्त होती है।इस प्रकार उपभोक्ता को कुल ₹1,08,000 की आर्थिक सहायता मिलती है।योजना के अंतर्गत डबल सब्सिडी से उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ कम हुआ है और उन्हें सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। इंद्र सिंह दत्ता ने कहा कि यदि अधिक से अधिक नागरिक इस योजना को अपनाते हैं, तो आने वाले समय में न केवल शहर, बल्कि पूरा प्रदेश ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बन सकता है।उन्होंने बताया कि यह योजना दोहरा लाभ प्रदान कर रही है डबल एक ओर बिजली बिल से राहत, वहीं दूसरी ओर अतिरिक्त बिजली बेचकर आमदनी का अवसर। योजना का

लाभ लेने की प्रक्रिया-योजना का लाभ लेने के लिए नागरिक <https://pmsuryayghar.gov.in> पोर्टल पर जाकर अपनी बिजली उपभोक्ता संख्या और मोबाइल नंबर के साथ पंजीकरण कर सकते हैं।इसके पश्चात अधिकृत वेंडर का चयन कर सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कराया जा सकता है।यदि उपभोक्ता वेंडर की सेवा से असंतुष्ट हैं, तो वेंडर बदलने की सुविधा भी उपलब्ध है। ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सार्थक पहल-केंद्र एवं राज्य सरकार की यह संयुक्त पहल छत्तीसगढ़ को ऊर्जा आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।इस योजना के माध्यम से हर घर की छत बिजली उत्पादन का केंद्र बनेगी, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं का सत्यापन कर प्रवेश दिया गया। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव एक ऐसा मैदान है जहां से खेलकर खिलाड़ी क्लस्टर लेबल, विधानसभा स्तर और फिर लोकसभा स्तर पर निष्पक्ष प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर खेलेंगे। उन्होंने ग्रामीण स्तर और राष्ट्रीय स्तर

सांसद खेल महोत्सव

विधायक ललित ने कराया टॉस, 350 खिलाड़ी स्पोर्ट्स में शामिल हुए

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड स्तर पर सांसद खेल महोत्सव रिसाली दशहरा मैदान में आयोजित कराया गया। उक्त खेल महोत्सव का दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने पहले टॉस कराया फिर कबड्डी खिलाड़ियों से परिचय लेकर खेल का उद्घाटन किया। वार्ड स्तर के दस अलग-अलग प्रतियोगिता में 350 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता शुरू कराने से पहले पंजीकृत खिलाड़ियों का सत्यापन कर प्रवेश दिया गया। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव एक ऐसा मैदान है जहां से खेलकर खिलाड़ी क्लस्टर लेबल, विधानसभा स्तर और फिर लोकसभा स्तर पर निष्पक्ष प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर खेलेंगे। उन्होंने ग्रामीण स्तर और राष्ट्रीय स्तर



के दस अलग-अलग खेलों के बारे में प्रकाश डालते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी. और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अतिथियों का स्वागत खेल महोत्सव के नोडल सुनील दुवे ने किया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य सनीर साहू, पार्षद ममता

सिन्हा, धर्मेन्द्र भगत, मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, समेत आयुक्त मोनिका वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे।

दो खेलों में मिला वॉक ओवर- पांच परंपरागत समेत दस खेलों में प्रतिभागियों की संख्या 350 थी। वहीं वॉलीबाल और कूशती के दो वर्ग में

केवल एक टीम व खिलाड़ी की उपस्थिति होने पर उन्हें निर्णायक मण्डल ने वॉक ओवर देते हुए विजेता घोषित किया। वॉलीबाल और

कूशती के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग्य अजमाने से पहले ही बलस्टर लेबल के प्रतियोगिता में प्रवेश पा लिया।